अखंड राष्ट्रवादी
श्रमिक चित्रपट सेना
ए.एल.सी./ का.-17-11168
फिल्म कामगारों के हक
के लिए लड़ने वाला
सवोच्च संगठन
सदस्यता ग्रहण करने
के लिए संपर्क करें
7705858700

द रेड
स्टार न्यूज़
महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली में एक साथ प्रसारित...
आपका अधिकार खबरों के रूप में
RNI. NO. MAHHIN/2010/35947
P.RN.NO.:THW/156/2018-2020

मानव अधिकार से संबंधित किसी भी समस्या के समाधान एवं सदस्यता ग्रहण करने के लिए संपर्क करें
मानवाधिकार फाउंडेशन
Mob.: 9987585870
Email: nhrf_india@yahoo.com

संपादक- विनोद कुमार सिंह | वर्ष- 15 | अंक- 31 | सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त | 26 जून से 02 जुलाई 2024 | पृष्ठ - 8 | ₹ 2/-

पोंजी स्कीम घोटाले में ED का बड़ा एक्शन! 37 करोड़ रुपये किए जब्त

नई दिल्ली। मुंबई के एक वित्तीय सलाहकार और उसकी कंपनी के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के तहत ईडी ने नकदी, बैंक और डीमैट खातों में जमा करीब 37 करोड़ रुपये की राशि जब्त की है। सलाहकार पर पोंजी योजना के माध्यम से निवेशकों के साथ 600 करोड़ रुपये की ठगी का आरोप है।

यह एक ऐसी निवेश योजना है, जिसमें संचालक या कंपनी व्यवसाय के मुनाफे के बजाय नए निवेशकों से आने वाली पूंजी से निवेशकों को रिटर्न देती है। ईडी ने रविवार को कहा कि अंबर दलाल और कंपनी रिट्ज कंसल्टेंसी सर्विसेज के खिलाफ 21 जून को महानगर में छापेमारी के बाद यह कार्रवाई की गई। मनी लॉन्ड्रिंग का मामला मुंबई पुलिस की एफआईआर के बाद सामने आया है, जिसमें चार्टर्ड अकाउंटेंट और उनकी कंपनी पर संदिग्ध पोंजी स्कीम के माध्यम से निवेशकों से पैसे लेने का आरोप लगाया था। शुरुआती रिटर्न देने के बाद दलाल इस पैसे को लेकर फरार हो गया था। ईडी ने कहा कि यह पता चला है कि दलाल ने 1300 निवेशकों से 600 करोड़ रुपये से अधिक जुटाए थे। फिलहाल वह न्यायिक हिरासत में हैं।

मणिपुर मामले पर हो संसद में चर्चा !

इंफाल। मणिपुर में जारी हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। राज्य के मैतेई और कुकी समुदायों ने संसद सत्र शुरू होने पर केंद्र से मणिपुर पर ध्यान देने की मांग की। महिलाओं ने बड़े पैमाने पर सड़कों पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया। दोनों पक्षों ने इस दौरान एक साल से जारी हिंसा को समाप्त करने का आह्वान भी किया। सैकड़ों महिलाओं ने राजधानी इंफाल में हाथ में तख्तियां लेकर शांतिपूर्ण तरीके से मौन मार्च निकाला। तख्तियों पर केंद्र सरकार से केंद्रीय बलों को हटाने की मांग की गई थी। महिलाओं ने इस दौरान आरोप लगाया कि राज्य में हिंसा को रोकने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। उन्होंने कहा कि मणिपुर में हिंसा एक साल के अधिक समय से जारी है और अब इस मुद्दे पर संसद में चर्चा होनी चाहिए। महिलाओं ने राज्य में जारी हिंसा को जल्द सुलझाने की भी मांग की है। विरोध प्रदर्शन के दौरान सैकड़ों लोगों ने विधायकों और नागरिक समाज के नेताओं के मार्च और भाषणों को सुनने के लिए

एकत्र हुए। इस दौरान उन्होंने उन्होंने केंद्र से मणिपुर में सभी कुकी बहुल इलाकों को मिलाकर एक अलग प्रशासन या केंद्र शासित प्रदेश बनाने का अनुरोध किया। मालूम हो कि मणिपुर की 10 सदस्यीय विधानसभा में 10 कुकी विधायक हैं, जिसमें कई भाजपा के भी विधायक शामिल हैं। प्रदर्शन के दौरान कुकी संगठनों ने केंद्र सरकार से पड़ोसी जिरीबाम जिले में एक बफर जोन बनाने का भी अनुरोध किया। हाल ही में जिरीबाम जिले में मैतेई समुदाय और हमर जनजाति के बीच झड़पें देखने को मिली थी।

'स्टॉप डायरिया' अभियान की शुरूआत

नई दिल्ली। केंदीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने बच्चों में डायरिया की रोकथाम के लिए राष्ट्रीय अभियान 'स्टाप डायरिया' का सोमवार को शुभारंभ किया। इसके तहत पांच साल से कम उम्र के बच्चों की डायरिया से होने वाली मौतों को शून्य के स्तर तक लाना है। दो चरणों में आगामी 31 अगस्त तक चलने वाले इस अभियान के तहत आशा व आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा घर-घर जाकर बच्चों को ओआरएस घोल और जक टेबलेट दी जाएंगी। इसके अलावा प्रचार के जरिये लोगों में डायरिया से बचाव को लेकर जागरुकता पैदा की जाएगी। सरकार ने अभियान के लिए स्लोगन डायरिया की रोकथाम, सफाई और ओआरएस से रखें अपना ध्यान तैयार किया है। नड्डा ने कहा कि भारत 2014 में रोटा वायरस के खिलाफ टीकाकरण शुरू करने वाला पहला देश बना था और अब इस अभियान के जरिये बच्चों की डायरिया से होने वाली मौतों को शून्य करेगा। उन्होंने इस सिलसिले में केंद की जल जीवन मिशन एवं आयुष्मान भारत आरोग्य मंदिर नेटवर्क तथा स्वच्छ भारत अभियान जैसी योजनाओं का भी जिक्र किया। इस मौके पर स्वास्थ्य राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल और प्रताप राव जाधव और मंत्रालय तथा विभिन्न एजेंसियों के शीर्ष अधिकारी मौजूद रहे।

IB प्रमुख तपन डेका को मिला एक साल का सेवा विस्तार

नई दिल्ली। कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने सोमवार को दो अहम निर्णयों में एनएचआरसी के महासचिव और इंटेलिजेंस ब्यूरो के प्रमुख की सेवा की अवधि को बढ़ा दिया है। दोनों अधिकारियों को एक साल का सेवा विस्तार दिया गया है। केंद्र सरकार के कार्मिक मंत्रालय ने इसे लेकर आदेश जारी किया है। आदेश के अनुसार भरत लाल, IFoS (सेवानिवृत्त) को कैबिनेट NHRC के महासचिव के रूप में एक वर्ष के लिए सेवा विस्तार दिया गया है। इसके अलावा भारत के इंटेलिजेंस ब्यूरो प्रमुख तपन डेका को भी कैबिनेट की नियुक्ति समिति से एक साल के लिए विस्तार मिला है।

एयरपोर्ट को 24 घंटे में दूसरी बार मिली धमकी

नागपुर। मंगलवार सुबह नागपूर के डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली। बम की धमकी ई-मेल के जरिए भेजी गई थी, जिसमें बताया गया कि बम एयरपोर्ट के शौचालय में रखा है। 24 घंटे में जब दूसरी बार एयरपोर्ट पर बम होने की सूचना मिली तो अधिकारी सतर्क हो गए और तलाशी शुरू कर दी। हालांकि तलाशी में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। देश के कई हवाईअड्डों को सोमवार को बम की धमकी मिली। जांच के बाद धमकी झूठी निकली। जिन हवाईअड्डों को धमकी दी गई उनमें अहमदाबाद हवाईअड्डा, नागपुर हवाईअड्डा, हैदराबाद का बेगमपेट हवाईअड्डा, कर्नाटक में कलबुर्गी हवाईअड्डा शामिल हैं। इससे पहले भी 12 मई को अहमदाबाद हवाईअड्डे के अधिकारियों को इसी तरह का धमकी भरा मेल मिला था, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला था। सुरक्षाकर्मियों ने हवाईअड्डे परिसर की गहन जांच की लेकिन उन्हें कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

लोकसभा स्पीकर चुनाव से पहले I.N.D.I.A में फूट

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए सरकार और विपक्ष के बीच मंगलवार को आम-सहमति नहीं बन सकी। अब राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के उम्मीदवार और भाजपा सांसद ओम बिरला का मुकाबला कांग्रेस के कोडिकुन्नील सुरेश के साथ होगा। लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव के लिए मतदान बुधवार को होगा। इससे पहले लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव के लिए रणनीति बनाने के लिए भाजपा के नेता मंगलवार रात बैठक करेंगे। वहीं कांग्रेस का कहना है कि अब गेंद सरकार के पाले में है और वह परंपरा के अनुसार विपक्ष को उपसभापति का पद देने की पेशकश कर इस मुद्दे पर आम सहमति बना सकती है। बिरला और सुरेश ने मंगलवार को क्रमशः एनडीए और विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (I.N.D.I.A) के उम्मीदवारों के रूप में अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। हालांकि तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा कि इस पद के लिए कांग्रेस के के. सुरेश को I.N.D.I.A के संयुक्त उम्मीदवार के रूप में उतारने के बारे में उनकी पार्टी से परामर्श नहीं लिया गया। उन्होंने कहा कि पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी सुरेश का समर्थन करने पर निर्णय लेंगी। बनर्जी ने कहा किसी ने हमसे संपर्क नहीं किया, कोई बातचीत नहीं हुई, दुर्भाग्य से यह एकतरफा फैसला है। सूत्रों ने बताया कि टीएमसी ने अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए सुरेश के नामांकन पत्र पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं और संभवतः वह आज रात होने वाली विपक्षी बैठक में शामिल नहीं होगी। उन्होंने कहा कि I.N.D.I.A के शीर्ष नेता अपनी रणनीति तैयार करने के लिए रात आठ बजे कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर बैठक करेंगे। अध्यक्ष पद के लिए चुनाव बुधवार सुबह होगा और एनडीए के पास चुनाव जीतने के लिए पर्याप्त संख्या है। वहीं कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि विपक्ष की पेशकश है कि सरकार पिछली परंपराओं के अनुसार उसे उपसभापति का पद दे और बदले में वह बिरला की उम्मीदवारी का समर्थन करेगी।

सीएम के आदेश के बाद पुणे में गरजेगा बुलडोजर

मुंबई, पुणे के फर्ग्यूसन कॉलेज रोड पर एल 3 बार में कथित तौर पर युवकों के ड्रग्स लेने के मामले में पुलिस ने अब तक 14 लोगों को गिरफ्तार किया है। एल3 बार में कथित ड्रग पार्टी आयोजित करने के आरोप में बार को सील भी कर दिया गया है। पुलिस ने सोमवार को बार मालिक, तीन लाइसेंस धारकों, 6 वेटरों और एक इवेंट मैनेजर सहित कुल 14 लोगों को गिरफ्तार किया। पुणे शहर के फर्ग्यूसन कॉलेज रोड पर स्थित लिक्विड लीजर लाउंज यानी L-3 बार का कथित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें बार के वाशरूम में कुछ युवक ड्रग्स जैसी चीज का सेवन करते दिख रहे है। इसके बाद शिवाजीनगर पुलिस ने जांच शुरू की। इस मामले में शिवाजीनगर पुलिस थाने के इंस्पेक्टर समेत चार पुलिसकर्मियों को भी निलंबित किया गया है। पुलिस वीडियो में दिख रहे युवकों का भी पता लगा रही है। पुलिस को संदेह है कि उस दिन नशे की पार्टी में कुछ नाबालिग भी शामिल थे। पुलिस के अनुसार रविवार को बार सुबह 5 बजे तक खुला था, जबकि पुणे में पब और बार को रात डेढ़ बजे तक खुले रहने की अनुमति है। राज्य आबकारी विभाग ने बार का लाइसेंस निलंबित कर दिया है। बताया जा रहा है कि रविवार की

रात 1.30 बजे से 4.30 बजे तक बार में अवैध पार्टी आयोजित की गई थी। इसमें 22 से 35 साल की उम्र के करीब 50 लोग शामिल हुए थे. इस दौरान कुछ युवाओं ने वॉशरूम में संदिग्ध पदार्थ का सेवन किया था। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सोमवार को पुणे के पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार को ड्रग्स के सेवन के लिए इस्तेमाल की जाने वाली जगहों के खिलाफ बुलडोजर एक्शन लेने का निर्देश दिया। सीएम ने युवाओं को नशे की लत लगाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के लिए कहा।

कोच्चि से लंदन जाने वाले यात्री ने ही दी फ्लाइट में बम होने की धमकी

कोच्चि। लंदन जाने वाली एयर इंडिया की एक फ्लाइट को मंगलवार को बम की धमकी मिली। घटना की जानकारी मिलने के बाद विमान की जांच की गई लेकिन कोई विस्फोटक नहीं मिला। इसकी जानकारी एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। कोचीन इंटरनेशनल एयरपोर्ट के प्रवक्ता ने बताया कि धमकी भरा कॉल करने वाले संदिग्ध व्यक्ति को अधिकारियों ने गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने यहां एक बयान में कहा कि सुरक्षाकर्मियों ने विमान की गहन जांच की और उन्हें विमान में कोई विस्फोटक नहीं मिला। जांच के बाद उड़ान योजना के अनुसार जारी रही। उनके अनुसार, मंगलवार को तड़के मुंबई स्थित एयर इंडिया के कॉल सेंटर पर कोच्चि से लंदन गैटविक जाने वाली उड़ान संख्या AI 149 में बम की धमकी भरी कॉल आई। अलर्ट की सूचना तुरंत एयर इंडिया और कोचीन इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड को 01:22 बजे दी गई। स्थापित प्रोटोकॉल का पालन करते हुए, CIAL में तुरंत बम खतरा आकलन समिति की बैठक बुलाई गई। खतरे का आकलन किया गया और उसकी घोषणा भी कर दी गई। इसके बाद एयरपोर्ट सुरक्षा समूह, एयरलाइन सुरक्षा कर्मियों और इनलाइन बैगेज स्क्रीनिंग सिस्टम द्वारा गहन सुरक्षा जांच की गई। कोचीन हवाई अड्डा बीटीएसी की सिफारिशों के अनुसार विमान को एक पृथक विमान पार्किंग स्थल पर ले जाया गया तथा व्यापक सुरक्षा उपाय किए गए। विमान की गहन जांच की गई और उसके बाद उसे उड़ान के लिए मंजूरी दे दी गई।

AI 149 के लिए चेक-इन प्रक्रिया सुबह 10:30 बजे पूरी हो गई थी। उड़ान के तय समय के अनुसार सुबह 11:50 बजे रवाना हुई। मुंबई कॉल सेंटर को धमकी की सूचना देने वाले कॉलर की पहचान करने के प्रयास किए गए। जांच में पता चला कि कॉल मलप्पुरम जिले के कोंडोट्टी निवासी सुहैब (29) ने की थी, जो AI 149 फ्लाइट से लंदन जाने वाला था। सुहैब को उनकी पत्नी और बेटी के साथ कोचीन एयरपोर्ट के अंतरराष्ट्रीय प्रस्थान टर्मिनल पर चेक-इन के दौरान एएसजी ने रोका। प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, उन्हें आगे की पूछताछ और कानूनी कार्रवाई के लिए पुलिस को सौंप दिया गया है।

तमिलनाडु में जहरीली शराब त्रासदी अब तक 58 लोगों की हुई है मौत!

नई दिल्ली। तमिलनाडु में हुई जहरीली शराब त्रासदी को लेकर कांग्रेस की चुप्पी पर भाजपा ने सवाल उठाए हैं। तमिलनाडु के कल्लाकुरची में मंगलवार रात जहरीली शराब पीने के बाद से अब तक 58 लोगों की मौत हो चुकी है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को लिखे पत्र में कहा कि यह त्रासदी मानव निर्मित आपदा है। इसका कारण द्रमुक-आइएनडीआइए गठबंधन सरकार और अवैध शराब माफिया के बीच सांठगांठ है। उन्होंने कहा करुणापुरम में अनुसूचित जाति के लोग अधिक संख्या में रहते हैं। मुझे आश्चर्य हुआ कि जब इतनी बड़ी आपदा आई, कांग्रेस पार्टी ने इस पर चुप्पी साध रखी है। एससी, एसटी समुदाय का कल्याण और सुरक्षा जैसे कुछ मुद्दों पर पार्टी लाइन से ऊपर उठने की जरूरत है। खोखले शब्द, फर्जी बयानबाजी और खोखले वादे, अनुसूचित जाति के पीडितों और उनके परिवारों पर किए गए अन्याय को ठीक नहीं कर पाएंगे। नड्डा ने खरगे से कहा कि वह तमिलनाडु में अपने सहयोगी द्रमुक सरकार पर सीबीआइ जांच के लिए दबाव डालें और राज्य के आबकारी मंत्री एस. मुथुसामी को उनके पद से तत्काल हटाए। उन्होंने पीडितों के स्वजन को दी जाने वाली मुआवजे की राशि को बढ़ाने की भी मांग की। नड्डा ने कहा तमिलनाडु के लोग और पूरा अनुसूचित जाति समुदाय कांग्रेस पार्टी और खासकर राहुल गांधी और आइएनडीआइए गठबंधन के नेताओं की दोहरी नीति देख रहा है। नड्डा ने खरगे से यह भी आग्रह किया कि वह राहुल और प्रियंका गांधी वाड्रा से कहें कि वे या तो पीडित परिवारों से मुलाकात करें या कम से कम इस मुद्दे पर आवाज उठाने का साहस जुटाएं। भाजपा नेता राजीव चंद्रशेखर ने भी शराब त्रासदी को लेकर राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए पूछा कि क्या राहुल तमिलनाडु के आबकारी मंत्री के इस्तीफे की मांग करेंगे। तमिलनाडु भाजपा नेताओं के प्रतिनिधिमंडल ने पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई के नेतृत्व में सोमवार को राज्यपाल आरएन रवि से राजभवन में शराब त्रासदी के संबंध में मुलाकात की। भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से मामले की सीबीआइ जांच करवाने का अनुरोध किया। इस बीच अन्नाद्रमुक के नेताओं ने राज्य सरकार के खिलाफ कल्लाकुरिची जिले में विरोध प्रदर्शन किया।

NEET विवाद पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को नीट यूजी पेपर लीक मामले की सीबीआइ और ईडी से जांच कराने की मांग वाली याचिका को तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया है। जस्टिस अभय एस ओका की अध्यक्षता वाली पीठ ने केंद्रीय जांच एजेंसियों को नोटिस जारी करने से इनकार करते हुए कहा कि परीक्षा रद करने की मांग सहित कई याचिकाएं पहले से ही आठ जुलाई को सुनवाई के लिए निर्धारित है। लंबित याचिका में कहा गया है कि अपराध केवल आइपीसी तक ही सीमित नहीं है और आरोपित को पीएमएलए 2002 के कड़े प्रविधानों के तहत लाया जाना चाहिए। पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने प्रवेश काउंसलिंग प्रक्रिया को रोकने की मांग को खारिज कर दिया था। कोर्ट ने कहा कि काउंसलिंग प्रक्रिया पर रोक लगाने के लिए कोई

अंतरिम निर्देश पारित नहीं करेगी। इस बीच केंद्र ने शनिवार को इस साल पांच मई को आफलाइन ओएमआर मोड में आयोजित नीट यूजी 2024 परीक्षा के आयोजन में पेपर लीक और अन्य अनियमितताओं के आरोपों की सीबीआइ जांच का आदेश दिया।

हुनर काटेगा घाटी में आतंक के हाथ, युवाओं के हाथ में रोजगार का कौशल

नई दिल्ली। दशकों तक जिन युवाओं को अलगाववादी और आतंकी संगठन पत्थर और हथियार थमाते रहे, उन्हीं हाथों को हुनर-कौशल से सजाने पर सरकार ने पूरा जोर दिया। कभी आतंक के साये में सिसकती रही घाटी में नई पीढ़ी कैसे रोजगार और स्वरोजगार की इच्छा लिए बदलाव की ओर तेज कदम बढ़ा रही है, उसे यह आंकड़े पुष्ट करते हैं। कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं में अब तक जम्मू-कश्मीर के 3.36 लाख युवा प्रशिक्षण ले चुके हैं। इनमें जिन 2.77 लाख युवाओं को कौशल प्रशिक्षण का प्रमाण-पत्र भी प्राप्त कर लिया, उनमें से 53890 युवा प्रत्यक्ष रूप से रोजगार से जुड़ गए, जबकि बाकी में से अधिकांश ने स्वरोजगार की राह पकड़ ली है। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए मोदी सरकार वहां कई कदम उठा चुकी है। वहां से अनुच्छेद 370 को खत्म करने के बाद औद्योगिकीकरण पर जोर लगाते हुए रोजगार-स्वरोजगार बढ़ाने के प्रयास चल रहे हैं तो समानांतर रूप से वहां युवाओं के कौशल विकास के लिए कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय भी मिशन जारी रखे है। इन्हीं बदलावों का संबल लिए भाजपा अब वहां इसी वर्ष प्रस्तावित विधानसभा चुनावों के लिए कमर कस रही है तो उसके उत्साह के पीछे मोदी सरकार की उपलब्धियों के आंकड़े भी हैं। दरअसल, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 2015 में शुरू की गई, जिसके तहत अब तक देशभर में 1.41 करोड़ युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया जा चुका है। इसमें जम्मू-कश्मीर के उन युवाओं की भी हिस्सेदारी है, जिन पर भटकाव का ठप्पा लगा रहा है।इस योजना के तीन चरण वर्ष 2023 तक चले और चौथा चरण लोकसभा चुनाव के ऐन पहले शुरू हुआ। चारों चरणों में मिलाकर जम्मू-कश्मीर के 3,75,567 युवाओं ने पंजीकरण कराया।

संपादकीय

लोकसभा सत्र नई उम्मीदों को पंख

अठारहवीं लोकसभा का पहला सत्र सोमवार से शुरू चुका है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली। तीन जुलाई तक दस दिन के लिये चलने वाले इस सत्र में दो दिन नए सांसदों को शपथ दिलाई जायेगी। बुधवार को नए लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा, जबकि गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी। लोकसभा सत्र में विपक्ष इस बार अपनी बढ़ी हुई शक्ति का एहसास कराते हुए आक्रामक होने से नहीं चूकेगा। यही वजह है विपक्ष ने सत्र से पहले परीक्षा में गड़बड़ी, अग्निवीर व प्रोटेम स्पीकर जैसे मुद्दों को लेकर आक्रामक रुख दिखाने की रणनीति बनाई है। लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव में भी सत्ता पक्ष को घेरने की कोशिशें होती हुई दिख रही है। वैसे भी वह पहले ही सत्ता पक्ष के गठबंधन के सहयोगियों को लोकसभा अध्यक्ष पद की मांग के लिए उकसाने में लगा हुआ है एवं वहीं स्वयं के लिये लोकसभा के उपाध्यक्ष पद की मांग कर रहा है। विपक्ष ने प्रोटेम अध्यक्ष की नियुक्ति के अलावा नीट-यूजी पेपर लीक व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के स्थगित होने के मामले में सरकार को घेरने एवं संसदीय कार्रवाई को बाधित करने की रणनीति बनाई है, जिससे पहले दिन ही हंगामे के परिदृश्य देखने को मिल रहे हैं। बेहतर संख्या बल के चलते विपक्ष का उत्साहित होना स्वाभाविक है और उसके नेताओं की ओर से विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर सरकार को कठघरे में खड़ा करने की तैयारी में भी कुछ अनुचित नहीं, लेकिन इस तैयारी के नाम पर संसद में हंगामा और शोरशराबा करके ऐसी परिस्थितियां नहीं पैदा की जानी चाहिए जिससे संसद चलने ही न पाए। एक लंबे समय से यह देखने में आ रहा है कि विभिन्न मुद्दों पर सरकार से जवाबदेही के नाम पर विपक्ष संसद में हंगामा और अव्यवस्था पैदा करना उचित समझता आ रहा है, उसके तेवर इस बार ज्यादा ही उग्र एवं उत्तेजिक दिख रहे हैं, जो संसदीय परम्परा के लिये दुर्भाग्यपूर्ण है। सांसद चाहे जिस दल के हो, उनसे शालीन एवं सभ्य व्यवहार की अपेक्षा की जाती है। लेकिन सांसद अपने दूषित एवं दुर्जन व्यवहार से संसद को शर्मसार करते हैं तो यह लोकतंत्र के सर्वोच्च मन्दिर की गरिमा के प्रतिकूल है। संसद राष्ट्र की सर्वोच्च संस्था है। देश का भविष्य संसद के चेहरे पर लिखा होता है। यदि वहां भी शालीनता, मर्यादा एवं सभ्यता का भंग होता है तो दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र होने के गौरव का आहत होना निश्चित है। आजादी के अमृतकाल तक पहुंचने के बावजूद भारत की संसद यदि सभ्य एवं शालीन दिखाई न दे तो ये स्थितियां दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण ही कही जायेगी। एक बार फिर ऐसी ही त्रासद स्थितियों से रू-ब-रू होने की स्थितियां बनना एक चिन्तनीय प्रश्न है। संसद की सार्थकता केवल इसमें नहीं है कि वहां विभिन्न मुद्दे उठाए जाएं बल्कि इसमें है कि उन पर गंभीर एवं शालीन तरीके से चर्चा होकर राष्ट्रहित में प्रभावी निर्णय लिये जाये। दुर्भाग्य से संसद में राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर ऐसी कोई चर्चा कठिनाई से ही होती है जिससे देश को कोई दिशा मिल सके और समस्याओं के समाधान खोजे जा सके। उचित यह होगा कि संसद में दोनों ही पक्ष संसदीय कार्यवाही के जरिये एक उदाहरण पेश करें, नयी संभावनाओं एवं सौहार्द का वातावरण बनाते हुए नई उम्मीदों एवं संकल्पों के सत्र के रूप में इस सत्र एवं आगे के सत्रों का संचालन होने दें।

द रेड स्टार न्यूज को
अनुभवी संवाददाता एवं विज्ञापन प्रतिनीधि
की आवश्यकता है
इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें
9987585870
vinod143singh@gmail.com

आवश्यक सूचना

पाठकों को सूचित किया जाता है कि द रेड स्टार न्यूज के नाम पर अगर कोई भी व्यक्ति अगर किसी भी तरह का व्यवहार करता है तो इसकी पुष्टि के लिए इस नंबर पर संपक कर लें.
9820361619

परीक्षा पर चर्चा लेकिन पेपर लीक पर चर्चा क्यों नहीं करते प्रधानमंत्री?

मोदी सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति तो ले आई, लेकिन आप शिक्षा मंत्रालय के तमाम फैसलों को देखेंगे तो ऐसा प्रतीत होगा कि इस सरकार की कोई शिक्षा नीति है नहीं, बस मंत्री और अधिकारी प्रयोग पर प्रयोग किये जा रहे हैं, जिसका खामियाजा छात्रों को भुगतना पड़ रहा है।

एक के बाद एक लीक होती परीक्षाओं के चलते देशभर में छात्रों और अभिभावकों का गुस्सा उबाल ले रहा है। सवाल उठ रहा है कि यह कैसा तंत्र है जो प्रश्नपत्रों को लीक होने से नहीं रोक पा रहा है? सवाल उठ रहा है कि प्रश्नपत्र लीक होने पर परीक्षा रद्द कर देने और सीबीआई जांच बिठा देने से ही क्या छात्रों के समय और पैसे की बर्बादी रुक जायेगी? सवाल उठ रहा है कि क्या देश में परिश्रम, योग्यता और प्रतिभा के आधार पर कभी समान अवसर सुनिश्चित हो पाएंगे? हम 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की बात कर रहे हैं और प्रश्नपत्र लीक करने वाले माफियाओं पर नकेल नहीं कस पा रहे हैं? मंत्रियों की जबान से देखते हैं, सख्त कार्रवाई करेंगे, किसी को बख्शा नहीं जायेगा जैसे बयान सुन सुन कर अब लोग ऊब चुके हैं। बड़े-बड़े एसी कमरों में बैठने वाले मंत्रियों और अधिकारियों को शायद पता नहीं है कि बच्चों को परीक्षा की तैयारी कराने के लिए महंगे-महंगे कोचिंग सेंटरों में भेज कर मोटी फीस और ट्यूशन फीस पर लगने वाला भारी भरकम जीएसटी देते देते अभिभावकों की कमर टूट जाती है, परीक्षा की तैयारी करते करते छात्रों की हालत खराब हो जाती है, बार-बार परीक्षा रद्द होने से छात्रों का समय और भविष्य को लेकर बनाई गई योजनाएं बाधित हो जाती हैं, इस सबसे छात्र अवसाद में आ जाते हैं, लेकिन सरकार सिर्फ सख्त कार्रवाई का आश्वासन देकर चुप्पी साध लेती है? इसके अलावा, पैसे वाले छात्र तो फिर भी अपने हक की लड़ाई के लिए अदालतों तक चले जाते हैं लेकिन बेचारे गरीब छात्र सिर्फ देखते रहे जाते हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं के समय गरीब छात्र किसी तरह यात्रा खर्चे का जुगाड़ कर परीक्षा केंद्र तक आते हैं और जब परीक्षा रद्द हो जाये तो उनके सामने कोई दूसरा रास्ता भी नहीं रहता। दोबारा परीक्षा होने पर परीक्षा शुल्क तक देने के उसके पास पैसे नहीं होते हैं इसलिए कई छात्र तो दोबारा परीक्षा में भाग भी नहीं लेते। यह आश्चर्यजनक स्थिति है कि हम सर्जिकल और एअर स्ट्राइक के माध्यम से दुश्मन को उसके घर में घुस कर मारते हैं लेकिन अपने छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को सख्त सजा नहीं दिलवा पा रहे हैं। हम कहते हैं कि ये नया भारत है, कोई छेड़ेगा तो छोड़ेंगे नहीं, लेकिन प्रश्नपत्रों के साथ छेड़छाड़ होती जा रही है और हम कुछ कर नहीं पा रहे? हम आपको बता दें कि मोदी सरकार के आने से पहले तमाम प्रतियोगी परीक्षाओं को आयोजित कराने के लिए विभिन्न संस्थान थे, लेकिन उन सबको एक प्लेटफॉर्म पर लाते हुए राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की स्थापना कर दी गयी। परन्तु यह एजेंसी अपने आरम्भकाल से ही विवादों में रही है। प्रश्नपत्र लीक होते रहते हैं और अधिकारी हाथ पर हाथ धरे तब तक बैठे रहते हैं जब तक छात्र और अभिभावक सड़कों पर उतर कर हंगामा नहीं करते। सरकार भी पूरे मामले पर तब तक चुप्पी बरतती है जब तक विपक्ष पेपर लीक को बड़ा मुद्दा नहीं बना दे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर साल छात्रों के साथ परीक्षा पे चर्चा तो करते हैं लेकिन सवाल उठता है कि वह पेपर लीक मुद्दे पर अपने मंत्रियों या अधिकारियों से चर्चा क्यों नहीं करते? बहरहाल मोदी सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति तो ले आई लेकिन आप शिक्षा मंत्रालय के तमाम फैसलों को देखेंगे तो ऐसा प्रतीत होगा कि इस सरकार की कोई शिक्षा नीति है नहीं बस मंत्री और अधिकारी प्रयोग पर प्रयोग किये जा रहे हैं जिसका खामियाजा छात्रों को भुगतना पड़ रहा है। हालिया लोकसभा चुनावों में पहली बार मतदान करने वाले युवाओं ने मोदी सरकार से नाराजगी इसलिए भी जताई है क्योंकि वह पेपर लीक नहीं रोक पा रही है। जहां तक यूजीसी-नेट परीक्षा की बात है तो आपको बता दें कि मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट' को लेकर उपजे विवाद के बीच, शिक्षा मंत्रालय ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित यूजीसी-नेट परीक्षा रद्द करने का बुधवार को आदेश दिया और मामले को गहन जांच के लिए सीबीआई को सौंपा गया है। शिक्षा मंत्रालय ने कहा यूजीसी को गृह मंत्रालय के तहत भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) की राष्ट्रीय साइबर अपराध खतरा विश्लेषण इकाई से परीक्षा के संबंध में कुछ सूचनाएं प्राप्त हुई थीं। इन सूचनाओं से प्रथम दृष्टया संकेत मिला है कि उक्त परीक्षा की शुचिता से समझौता किया गया। मंत्रालय ने कहा परीक्षा प्रक्रिया में उच्चतम स्तर की पारदर्शिता और शुचिता सुनिश्चित करने के लिए, यह निर्णय लिया गया है कि यूजीसी-नेट जून 2024 की परीक्षा रद्द कर दी जाए। देखना होगा कि आगामी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने से मोदी सरकार रोक पाती है या फिर से परीक्षाएं रद्द होने और जांच बिठा देने का सिलसिला आगे भी चलता रहेगा।

लोकसभा स्पीकर के लिए होगा चुनाव

नई दिल्ली, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने लोकसभा अध्यक्ष का सर्वसम्मति से चयन करने की बजाय विपक्षी दलों द्वारा उम्मीदवार खड़ा करने की आलोचना करते हुए कहा कि ये लोग दोहरे मापदंड में जीते हैं। आपातकाल की बरसी पर भाजपा के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम 'डार्क डेज ऑफ डेमोक्रेसी' को संबोधित करते हुए जेपी नड्डा ने पूछा कि क्या आज तक कभी भी लोकसभा के स्पीकर का चुनाव सशर्त हुआ है? विपक्ष कह रहे हैं कि पहले डिप्टी स्पीकर तय करो तब वे स्पीकर पद को लेकर समर्थन देंगे। नड्डा ने आगे कहा कि ये वो कह रहे हैं, जिन्होंने तेलंगाना में स्पीकर और डिप्टी स्पीकर दोनों अपने बनाए हैं। कनार्टक में इनका ही स्पीकर और इनका ही डिप्टी स्पीकर है। पश्चिम बंगाल में भी टीएमसी का ही स्पीकर और डिप्टी स्पीकर है। ये ऐसे लोग हैं, जो दोहरे मापदंड में जीते हैं। इससे पहले राहुल गांधी के आरोपों को खारिज करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संसद भवन परिसर में मीडिया से कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे एक वरिष्ठ नेता हैं और वे उनका सम्मान करते हैं। कल से लेकर आज तक तीन बार उनसे (खड़गे) बातचीत हो चुकी है। बता दें कि लोकसभा स्पीकर पद पर चयन को लेकर सरकार और विपक्षी दलों के बीच सहमति नहीं बन पाई है। सत्तारूढ़ एनडीए गठबंधन ने वर्तमान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को फिर से अपना उम्मीदवार बनाया है।

दालों के बाद अब गेहूं पर लगी स्टॉक लिमिट

नई दिल्ली, केंद्र सरकार ने दालों के बाद अब गेहूं पर भंडारण सीमा (स्टॉक लिमिट) लगा दी है। यह सीमा तत्काल प्रभाव से लागू होगी और अगले साल 31 मार्च तक प्रभावी रहेगी। सरकार ने यह कदम गेहूं की जमाखोरी रोकने के साथ ही इसके दाम नियंत्रित करने के लिए उठाया है। थोक कारोबारी 3,000 टन गेहूं का भंडारण कर सकेगा। प्रत्येक खुदरा कारोबारी अपने रिटेल आउटलेट पर 10 टन गेहूं रख सकता है। बिग चेन रिटेलर को प्रत्येक आउटलेट पर 10 टन और उनके सभी डिपो पर 3,000 टन गेहूं का भंडारण करने की अनुमति दी गई है। आटा मिल वाले वर्ष 2024-25 के बचे महीनों में अपनी स्थापित मासिक क्षमता के 70त्न तक गेहूं का भंडारण कर सकते हैं। महंगाई पर प्रभावी नियंत्रण के लिए सरकार का सबसे ज्यादा जोर उत्पादन और भंडारण क्षमता बढ़ाने पर है। स्टॉक जितना बड़ा होगा, जमाखोरी उतनी ही कम होगी। अभी देश में उत्पादित अनाज के सिर्फ 47त्न के भंडारण की ही सुविधा है। इसलिए पैक्स (प्राथमिक सहकारी समितियां) स्तर पर गोदाम बनाए जा रहे हैं। तैयारी 3 लाख गोदाम की है, जो विश्व की सबसे बड़ी अन्न भंडारण योजना होगी।
चालू वर्ष के दूसरे अनुमान में बागवानी फसलों का उत्पादन 3522.30 लाख टन है, जो पिछली बार से लगभग 32.51 लाख टन कम है।

भारतवंशी सुनीता विलियम्स 12 दिन से स्पेस में फंसी

नई दिल्ली, भारतीय मूल की अमेरिकी एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स इस समय स्पेस में हैं। सुनीता नासा की तरफ से अपने तीसरे स्पेस मिशन के लिए स्पेस गई हैं। सुनीता बोइंग के स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट से स्पेस में गई हैं। इस स्पेस मिशन में उनके साथ बुच विलमोर को को भी भेजा गया है। लेकिन अब दोनों ही ऐसी परिस्थिति में फंस गए हैं जिसके बारे में उन्होंने पहले सोचा भी नहीं होगा। सुनीता और बुच 12 दिन से स्पेस में फंसे हुए हैं। दोनों 5 जून को स्पेस मिशन पर गए थे और उन्हें 13 जून को वापस धरती पर लौटा था।
दरअसल सुनीता जिस स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट से स्पेस में गई हैं, उससे हीलियम लीक हो रही है। इस वजह से नासा को अब तक 4 बार दोनों की वापसी टालनी पड़ी है। अब 2 जुलाई को दोनों की वापसी प्रस्तावित है। कुछ लोगों का मानना है कि नासा को पहले से ही इस परेशानी के बारे में पता था पर उन्होंने फिर भी इस बारे में कुछ नहीं किया। बोइंग के इस स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट में लॉन्चिंग से पहले भी तकनीकी खराबी आई थी जिस वजह एक से ज़्यादा बार इसकी लॉन्चिंग को भी टालना पड़ा था। नासा के अनुसार सुनीता और बुच दोनों ही सुरक्षित हैं।

1 जुलाई से बंपर बढ़ने जा रही सरकारी कर्मचारियों की सैलरी

नई दिल्ली, केंद्र सरकार ने 7वें वेतन आयोग के तहत केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई भत्ता (DA) में 4% की वृद्धि की घोषणा की है, जो 1 जुलाई 2024 से लागू होगी। इस वृद्धि के बाद महंगाई भत्ता अब 46% से बढ़कर 50% हो जाएगा। महंगाई भत्ते में यह सुधार कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स के आधार पर किया गया है, जो देश में महंगाई की दर को दर्शाता है। इस वृद्धि का उद्देश्य कर्मचारियों की काम करने की शक्ति को बनाए रखना है, जिससे वे महंगाई के बढ़ते असर से निपट सकें। हर साल जुलाई के महीने में सरकार कर्मचारियों को दोहरा फायदा देती है। इस महीने में महंगाई भत्ते में इजाफा तो होता ही है और इसके साथ ही कर्मचारियों की सैलरी में भी बढ़ोतरी होती है। इसका फायदा निचले स्तर के कर्मचारी से लेकर उच्च पद के अधिकारियों तक को मिलता है। अभी सरकार ने DA में 4% की बढ़ोतरी की है। मतलब अगर पहले आपका महंगाई भत्ता 46% था, तो अब यह 50% हो जाएगा। उदाहरण के लिए, अगर आपका मूल वेतन 20,000 रुपये है, तो पहले आपको 9,200 रुपये (46% DA) मिलता था। अब यह बढ़कर 10,000 रुपये (50% DA) हो जाएगा। इससे आपके मासिक वेतन में 800 रुपये का इजाफा होगा। इसका मतलब है कि कर्मचारी का डीए 800 रुपये बढ़ोगा यानी जुलाई की सैलरी में कर्मचारी को 800 रुपये ज्यादा मिलेगा।

असम ग्रामीण विकास बैंक पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज !

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने असम ग्रामीण विकास बैंक में कार्यरत तीन तत्कालीन सहायक प्रबंधकों और एक तत्कालीन कार्यालय सहायक (बहुउद्देश्यीय) सहित चार आरोपियों के खिलाफ आपराधिक साजिश रचने और धोखाधड़ी से बैंक को नुकसान पहुंचाने के आरोप में मामला दर्ज किया है। आरोपियों की पहचान प्रशांत बोरा, तत्कालीन सहायक प्रबंधक, प्रियंक्षु पल्लभ गोगोई, तत्कालीन सहायक प्रबंधक, सोहन दत्ता, तत्कालीन सहायक प्रबंधक और सत्यजीत चालिहा, तत्कालीन कार्यालय सहायक (बहुउद्देश्यीय) के रूप में हुई है। सभी असम के जोरहाट जिले में माधापुर शाखा के असम ग्रामीण विकास बैंक में कार्यरत थे। आरोप है कि उक्त षडयंत्र के अनुसरण में आरोपी ने बेईमानी और धोखाधड़ी से, फर्जी स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) ऋण खातों में धनराशि स्वीकृत और वितरित की तथा उससे प्राप्त राशि को आरोपियों में से एक तत्कालीन सहायक प्रबंधक के बचत बैंक खाते और अन्य बैंक खातों में स्थानांतरित कर दिया। इस प्रकार आरोपियों ने बैंक को कथित रूप से 8.28 करोड़ रुपये (लगभग) का गलत नुकसान पहुंचाया और खुद को इसी अनुपात में लाभ पहुंचाया। सीबीआई ने असम में सात स्थानों पर तलाशी ली, जिसमें जोरहाट, तिनसुकिया और डिब्रूगढ़ में आरोपियों के आवासीय और आधिकारिक परिसर तथा पश्चिम बंगाल में एक स्थान शामिल है, जहां से आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद हुए। मामले को लेकर लगातार जांच जारी है।

आतिशी ने किया अनशन खत्म स्वाति मालीवाल ने कसा तंज

नई दिल्ली, दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने राष्ट्रीय राजधानी के हिस्से का पानी की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन अनशन के पांचवें दिन तबीयत बिगड़ने के बाद मंगलवार को अनशन समाप्त कर दिया। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्य सभा सांसद संजय सिंह ने आज कहा कि जल मंत्री आतिशी पांच दिनों से अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठी थीं। उनकी एक ही मांग थी कि दिल्ली को उसके हक का पानी मिलना चाहिए। हरियाणा की सरकार से हमारे समझौते के तहत दिल्ली को 613 एमजीडी पानी मिलना चाहिए। लोकसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद पिछले तीन सप्ताह से लगातार दिल्ली को 100 एमडीजी पानी कम दिया जा रहा है। यह दिल्ली के लोगों के हक का पानी है। दिल्ली को निर्धारित कोटे के अनुसार पूरा पानी देने की गुहार कहीं नहीं सुनी गई। आतिशी के अनशन समाप्त करने पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उनकी तारीफ की है। उन्होंने कहा दिल्ली की जल मंत्री आतिशी अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठी थीं, ताकि दिल्ली के लोगों को उनके हक का पानी मिल सके। कल रात उनकी तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनके स्वास्थ्य को लेकर आज हर दिल्लीवासी चिंतित है। भाजपा की सरकार जो अन्याय दिल्ली के साथ कर रही है, दिल्ली के लोग उसका जवाब जरूर देंगे। हम सब आतिशी जी के उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हैं। इस सत्याग्रह में हर एक दिल्लीवासी उनके साथ है।

मालिक, मुद्रक व प्रकाशक : विनोद कुमार सिंह द्वारा एस. आर. प्रिंटिंग प्रेस, वैशाली नगर, दहिसर पूर्व, मुंबई 68 से मुद्रित किया तथा 09 विभाकों बिल्डिंग, मामलेतदार वाडी, मालाड (पश्चिम), मुंबई 400 064 से प्रकाशित.
• संपादक- विनोद कुमार सिंह • प्रबंध संपादक : मोती रहमान शेख • सहायक संपादक : सुरेश पांढरे
+91-22 28881212 मो. 9987585870
Email-editor@theredstarnews.com, info@theredstarnews.com
RNI No.: MAHHIN/2010/35947
सभी विवादों के निपटारे के लिए न्याय क्षेत्र मुंबई होगा.
पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.
ठाणे कार्यालय :
डी-405, ओमसाईं इंक्लेव, को.हॉ.सो. पूनम सागर, मीरा रोड (पूर्व), ठाणे.
संपर्क- 9987585870 / 9820361619
vinod143singh@gmail.com

मां से मिलने के लिए उठाई कार और लंदन से पहुंच गया ठाणे

मुंबई, ब्रिटेन में रहने वाले भारतवंशी विराज मुंगले ने अपनी मां से मिलने के लिए लंदन से ठाणे तक की यात्रा अपनी एसयूवी में की। उनकी 59 दिन लंबी यात्रा में 16 देश शामिल थे। मुंगले ने 18,300 किमी की दूरी तय की। उनकी यात्रा का रूट ब्रिटेन से शुरू होकर फ्रांस, जर्मनी, बेल्जियम, पोलैंड, लिथुआनिया, लातविया, एस्टोनिया, रूस, उज्बेकिस्तान, किर्गिस्तान, चीन, तिब्बत, नेपाल होते हुए भारत में खत्म हुई। यात्रा के दौरान उनके साथ काठमांडू तक उनके मित्र रोशन श्रेष्ठ भी मौजूद रहे। इस यात्रा की प्रेरणा ऐतिहासिक सिल्क रूट के प्रति उनके आकर्षण के साथ ही अन्य लोगों की कहानियों से मिली, जिन्होंने इस तरह की यात्राएं की थीं। मुंगले 17 जून को ठाणे पहुंचे। उन्होंने बताया कि प्रति दिन लगभग 400-600 किमी की दूरी तय की, कभी-कभी 1,000 किमी तक की दूरी तय की। वह रात को ड्राइविंग करने से बचते थे, क्योंकि सुरक्षा उनकी प्राथमिकता थी। मुंगले ने कहा कि उन्होंने अपनी नौकरी से दो महीने की छुट्टी ली और जिस भी देश की यात्रा की, वहां से अनुमति और कानूनी मंजूरी की सावधानीपूर्वक व्यवस्था की। रास्ते में बर्फ और ठंड सहित चरम मौसम की स्थिति जैसी चुनौतियां सामने आईं। हालांकि उन्होंने अपना हौंसला बनाए रखा और यात्रा पूरी की। मुंगले ने कहा कि वह फ्लाइट से ब्रिटेन लौटेंगे और अपनी एसयूवी जहाज से भेजेंगे।

मनोज जरांगे ने लगाए आरोप

मुंबई, महाराष्ट्र में मराठा आंदोलन को लेकर बीते लंबे समय से घमासान मचा हुआ है। इस बीच आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने सोमवार को महाराष्ट्र के मंत्री छगन भुजबल पर भड़काऊ भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया, जिसका उद्देश्य मराठों और ओबीसी के बीच दरार पैदा करना है, जिससे संभावित रूप से दंगे भड़क सकते हैं। छत्रपति संभाजीनगर के एक निजी अस्पताल से प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए जरांगे ने कहा, अगर वह चाहते हैं कि राज्य में दंगे हों, तो मराठा समुदाय को भी सतर्क रहना चाहिए। जरांगे ने घोषणा की है कि मराठा आरक्षण आंदोलन के लिए अगले कदम 13 जुलाई के बाद तय किए जाएंगे। उन्होंने कहा मराठा समुदाय अब संकट में है और मैं अकेला रह गया हूं। लेकिन मैं लड़ूंगा और सुनिश्चित करूंगा कि मराठा समुदाय को अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी के तहत आरक्षण मिले। यह टिप्पणी ओबीसी नेताओं की भूख हड़ताल के बाद आरक्षण के मुद्दे पर बढ़ते तनाव के बीच आई है, जिसने विभिन्न पिछड़े वर्गों को एकजुट कर दिया और सरकार को हस्तक्षेप करने के लिए मजबूर किया। महाराष्ट्र में ध्रुवीकरण का दौर चल रहा है, क्योंकि मराठा समुदाय सरकारी नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण के लिए ओबीसी समूह में शामिल किए जाने की मांग कर रहा है। जरांगे सभी मराठों और उनके रक्त संबंधियों को कुनबी प्रमाण पत्र जारी करने की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व कर रहे हैं, ताकि वे ओबीसी कोटा का दावा कर सकें। जरांगे ने कहा भुजबल ने लाक्षणिक रूप से कहा है कि अपनी जंग लगी तलवारें तैयार रखो, लेकिन उनके बयान से पता चलता है कि वह महाराष्ट्र में दंगे कराना चाहते हैं और समुदायों को विभाजित करना चाहते हैं। मैं मराठा समुदाय से सतर्क रहने की अपील करता हूं। उन्होंने बताया कि राज्य मंत्री शंभूराज देसाई ने मराठा प्रदर्शनकारियों से 13 जुलाई तक इंतजार करने का अनुरोध किया है।

सड़क सुरक्षा ! को लेकर की सख्त टिप्पणी

मुंबई, बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को कहा कि जब प्रधानमंत्री और अन्य वीवीआईपी के लिए एक दिन के लिए सड़कें और फुटपाथ साफ किए जाते हैं, तो ऐसा हर दिन सभी के लिए क्यों नहीं किया जा सकता।न्यायमूर्ति एम एस सोनक और कमल खता की खंडपीठ ने कहा कि साफ फुटपाथ और चलने के लिए सुरक्षित जगह होना हर व्यक्ति का मौलिक अधिकार है और राज्य के अधिकारियों को इसे उपलब्ध कराना चाहिए।

पीठ ने कहा कि राज्य हमेशा यह नहीं सोचता रह सकता कि शहर में फुटपाथों पर अवैध रूप से कब्जा करने वाले फेरीवालों की समस्या से निपटने के लिए क्या किया जा सकता है और अब उसे इस दिशा में कुछ कठोर कदम उठाने होंगे। हाईकोर्ट ने पिछले साल शहर में अवैध और अनधिकृत फेरीवालों और विक्रेताओं के मुद्दे पर स्वतः संज्ञान लिया था। सोमवार को पीठ ने कहा कि उसे पता है कि समस्या बड़ी है लेकिन राज्य और नगर निकाय सहित अन्य अधिकारी इसे ऐसे ही नहीं छोड़ सकते और इसके लिए कठोर कार्रवाई की जरूरत है। अदालत ने कहा जब प्रधानमंत्री या कोई वीवीआईपी आते हैं, तो सड़कें और फुटपाथ तुरंत साफ कर दिए जाते हैं...और जब तक वे यहां रहते हैं, तब तक यह ऐसे ही रहता है। फिर यह कैसे किया जाता है? यह बाकी सभी के लिए क्यों नहीं किया जा सकता? नागरिक करदाता हैं... उन्हें साफ फुटपाथ और चलने के लिए सुरक्षित जगह की जरूरत है। इसमें कहा गया है कि कई वर्षों से अधिकारी यह कहते आ रहे हैं कि वे इस मुद्दे पर काम कर रहे हैं। वहीं, उच्च न्यायालय ने कहा राज्य को कुछ कठोर कदम उठाने होंगे। ऐसा नहीं हो सकता कि अधिकारी हमेशा यही सोचते रहें कि क्या करना है और उसी पर काम करते रहें। ऐसा लगता है कि इच्छाशक्ति की कमी है, क्योंकि जहां इच्छाशक्ति होती है, वहां हमेशा कोई न कोई रास्ता निकल ही आता है।

आर/उत्तर मनपा में अवैध निर्माण की सुनामी !

मुंबई आर/उत्तर मनपा विभाग में हुए भ्रष्टाचार की कब होगी जांच-पड़ताल?

अवैध निर्माण माफियाओं का सरदार ! जूनियर अभियंता चंद्रकांत फड़तरे...

भूषण गगराणी
(मुंबई मनपा आयुक्त)

दहिसर। मुंबई मनपा के आर/उत्तर विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ मीडिया में लगातार खबरें प्रकाशित होने के बाद भी मनपा आयुक्त एवं संबंधित अधिकारियों के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है। ऐसा लगता है कि जैसे आर/उत्तर मनपा व मनपा में काबिज संबंधित अधिकारियों के भी हाथ भ्रष्टाचार की चाशनी में सने हुए हैं। आर/उत्तर के इमारत एवं कारखाना विभाग में हुए भ्रष्टाचार पर कार्रवाई न होना ये दर्शता है कि भ्रष्टाचार के मुद्दे पर चुनाव जीतने वाली भाजपा सरकार भी फेल हो गई है। अब तो ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे शासन-प्रशासन का भी हाथ इस भ्रष्टाचार की चाशनी में सना हुआ हो। यही वजह है कि आज हमारे देश के राजनेताओं, पूंजीपतियों, बिल्डरों सरकारी अफसरों की इमेज हद से ज्यादा खराब, अविश्वसनीय और देश तथा जनता को लूटकर खाने वाली बिरादरी की बन गई है। आए दिन इन लोगों के खिलाफ मीडिया में भ्रष्टाचार की खबरें छपने के बाद भी न ही सरकार को इसकी चिंता है न ही बड़े-बड़े अधिकारियों को। पिछले कुछ सालों में भ्रष्टाचार सार्वजनिक चर्चा का हिस्सा बनने के बावजूद हकीकत यह है कि भ्रष्टाचार देश का सबसे गंभीर रोग है, जिससे सबसे ज्यादा प्रभावित आम लोग होते हैं। बिना लेन-देन के कहीं भी, किसी भी विभाग में कोई काम नहीं होता। फिर चाहे वह नगरपालिका हो, कलेक्टर आफिस हो, पुलिस विभाग या मंत्रालय हो। देश-प्रेम और जनसेवा के शब्द लिखे बोर्ड तो दिखते हैं लेकिन स्टोरी सीरियल की तरह जैसे सारे हथकंडे और तिकड़म अपनाई जाती है। यही हाल मनपा विभाग में व्याप्त है। उसी भ्रष्टाचार की कड़ी मे महानगरपालिका के कई अधिकारी जेल जा चुके है। मिली जानकारी के अनुसार कई सहायक अभियंता एवं जूनियर अभियंता जबसे कारखाना एवं इमारत विभाग के मलाईदार विभाग में अब तक बने रहना ये भी एक जांच-पड़ताल का विषय है। अब सवाल यह है कि कनिष्ठ अभियंता चंद्रकांत फड़तरे पर मनपा की आस्थापना विभाग इतनी मेहरबान क्यों है? एक कहावत है कि सारी दुनिया एक तरफ और जोरू का भाई एक तरफ। ऐसे ही फड़तरे के ऊपर भी कई भ्रष्टाचार के मामले होने के बावजूद बिल्डिंग एवं कारखाना विभाग में डटे हुए है। परन्तु फड़तरे अपनी ऊंची पहुंच और रसूख की बदौलत अवैध निर्माण के भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रहे हैं। वैसे ही मुंबई मनपा के आर/उत्तर विभाग के इमारत एवं कारखाना विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार पर पर्दा डालने की कोशिश की जा रही है। आर/उत्तर मनपा विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर द रेड स्टार न्यूज़ में लगातार खबरें प्रकाशित करने के साथ साथ मुख्यमंत्री, मनपा आयुक्त, पश्चिमी उपनगर अतिरिक्त आयुक्त, उपायुक्त परिमंडल 07, आर/उत्तर सहायक आयुक्त, आर/उत्तर शिकायत अधिकारी, पद-निर्देशित अधिकारियों को भी शिकायत करने के बावजूद भी अवैध निर्माण पर सुनने को तैयार नहीं है। या यू कहे कि कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है। वहीं समाजसेवी संगठनों एवं पत्रकारों द्वारा शिकायत करने के बाद और जोर-शोर में अवैध निर्माण किया जा रहा है। इतना ही नहीं बल्कि पत्रकारों द्वारा आरटीआई मे जबाब मांगने के बाद भी कोई सही जानकारी नहीं दी जाती बल्कि घुमा-फिरा कर गोल माल आधी अधूरी जबाब मिलता है। यही कारण है कि अब सहायक आयुक्त नवनीस वेंगुरलेकर भी शक के घेरे में आ गए हैं। अब तो यही लगता है कि आर/उत्तर विभाग में हुए करोड़ों रुपये के भ्रष्टाचार मामले में सहायक आयुक्त से लेकर इमारत एवं कारखाना विभाग के सभी अधिकारी संलिप्त हैं। वही महानगरपालिका का बिल्डिंग एवं फैक्टरी विभाग एक खास अभियंता की कठपुतली बनी हुई है? मनपा आर/उत्तर के भ्रष्ट अधिकारी चंद्रकांत फड़तरे का चहेता भूमाफिया व ठेकेदार भीम शर्मा द्वारा लोकसभा चुनाव से लेकर अब तक 02 दर्जन से अधिक अवैध निर्माण कर चुका है। **अगले अंक में पढ़े मनपा आर/उत्तर के सहायक आयुक्त की पूरी कहानी पार्ट एक.?**

उत्तराखंड में हो रहा था जमीन जिहाद हमारी सरकार ने इसे रोका

मुंबई, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को उम्मीद जताई कि उनके राज्य द्वारा अपनाई गई समान नागरिक संहिता (यूसीसी) देश में सभी के लिए अधिक समानता का मार्ग प्रशस्त करेगी। साथ ही स्थानीय समुदायों के बीच एकता को बढ़ावा देगी और लैंगिक समानता को बनाए रखेगी। उत्तराखंड आजादी के बाद यूसीसी को अपनाने वाला देश का पहला राज्य है।

मुंबई में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए धामी ने दावा किया कि उत्तराखंड में जमीन जिहाद हो रहा था, जिसे उनकी सरकार ने रोक दिया और लगभग पांच हजार एकड़ अतिक्रमित भूमि से अतिक्रमण हटाया। सीएम धामी ने कहा उत्तराखंड विधानसभा में पारित यूसीसी विधेयक किसी के प्रति पक्षपात दिखाने के लिए पेश नहीं किया गया था। हमारा उद्देश्य किसी को निशाना बनाना नहीं है। हमारा प्रयास सभी के लिए प्रगति सुनिश्चित करना है, क्योंकि हम सभी के विश्वास और विकास के लिए प्रयास करते हैं। एक अन्य कार्यक्रम को संबोधित करते हुए धामी ने कहा कि भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अपना पूरा जीवन भारत की एकता और अखंडता के लिए समर्पित कर दिया।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा उत्तराखंड विधानसभा में पारित यूसीसी विधेयक किसी के प्रति पक्षपात दिखाने के लिए पेश नहीं किया गया था।

मॉनसून ने पूरे महाराष्ट्र को किया कवर

मुंबई, मॉनसून ने रविवार को पूरे महाराष्ट्र को कवर कर लिया है और अब घोषणा हो गई है कि मॉनसून पूरे महाराष्ट्र में प्रवेश कर चुका है। आज यानी सोमवार से शुरू होने वाले सप्ताह में कोंकण-गोवा में अधिकांश स्थानों पर बारिश होने की संभावना है। वहीं मध्य महाराष्ट्र में कई स्थानों पर मराठवाड़ा में कुछ स्थानों पर और विदर्भ में कई स्थानों पर जोरदार बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। दरअसल जून का अंतिम सप्ताह आ जाने के बावजूद बारिश अपेक्षित गति नहीं पकड़ पाई है। इसलिए मॉनसून की शुरुआत के बावजूद राज्य के लोग जोरदार बारिश का आनंद लेने के लिए इंतजार कर रहे हैं। हालांकि आने वाले हफ्तों में महाराष्ट्र में बारिश की संभावना है। इससे प्रदेश में बारिश का मौसम बनेगा। 1 जून से 23 जून के बीच कोंकण और गोवा में नौ फीसदी बारिश की कमी महसूस की गई। मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में छोटी अवधि में क्रमशः नौ प्रतिशत और 40 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई। विदर्भ में 16 प्रतिशत बारिश में कमी आई है। मुंबई शहर में 43 प्रतिशत कम बारिश हुई है, जबकि उपनगरों में 46 प्रतिशत बारिश की कमी है। क्षेत्रीय मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक इस हफ्ते रायगढ़, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग, कोल्हापुर, सतारा के घाट इलाके में ऑरेंज अलर्ट दिया गया है। भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है।

विवाद के बाद माता-पिता को घर से निकालना पड़ा भारी

मुंबई, पुलिस ने महाराष्ट्र के पालघर जिले में विवाद के बाद अपने बुजुर्ग माता-पिता को घर से बाहर निकालने वाले 44 वर्षीय व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि व्यक्ति और उसके 75 वर्षीय पिता के बीच पिछले महीने परिवार के स्वामित्व वाले रेस्तरां, बार और रिसॉर्ट के प्रबंधन को लेकर तीखी बहस हुई थी, जिसके बाद पिता और उनकी 74 वर्षीय पत्नी को विक्रमगढ़ तालुका स्थित उनके घर से निकाल दिया गया। विवाद तब बढ़ गया जब पीड़ित (जो एक सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय वरिष्ठ नागरिक संघ का अध्यक्ष भी है) ने अपने बेटे से उनके कारोबार का लेखा-जोखा मांगा।

विक्रमगढ़ पुलिस थाने के अधिकारी ने पीड़ित की शिकायत के हवाले से बताया कि इसके बाद हिंसक झड़प हुई और आरोपी ने कथित तौर पर अपने पिता पर कुछ वस्तुएं फेंकी और बाद में उनकी संपत्ति के ताले बदल दिए। पुलिस ने बताया कि बुजुर्ग दंपति अब अपनी बेटी की देखभाल में हैं (जो एक डॉक्टर है)। पुलिस ने बताया कि शिकायत के आधार पर शनिवार को दंपति के बेटे के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धाराओं 336 (दूसरों के जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालने वाला कृत्य), 427 (क्षति पहुंचाने वाली शरारत) और 506 (आपराधिक धमकी) तथा माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया।

यूपी में पर्चा लीक कराने वाले ताउम्र जेल में रहेंगे!

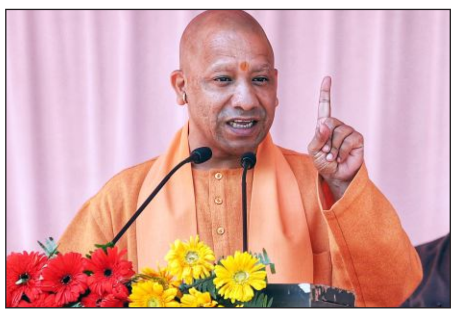

लखनऊ, यूपी में प्रतियोगी परीक्षाओं में पर्चा लीक की घटनाओं से निपटने के लिए योगी सरकार सख्त कानून लेकर आ रही है। पर्चा लीक कराने वालों को आजीवन कारावास तक की सजा होगी। इसके अलावा 1 करोड़ रुपये तक का जुर्माना भी लगेगा। मंगलवार को सीएम योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में यूपी सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अध्यादेश 2024 को मंजूरी दे दी है। राज्यपाल की मंजूरी के बाद यह कानून लागू हो जाएगा। यूपी में चुनाव के ठीक पहले पुलिस भर्ती की पर्चा लीक हो गया था। इसके चलते 50 लाख से अधिक अभ्यर्थी प्रभावित हुए थे। वहीं यूपी पब्लिक सर्विस कमीशन द्वारा आयोजित समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी की परीक्षा भी पर्चा लीक के चलते रद्द करनी पड़ी थी। इन स्थितियों को देखते हुए सीएम ने कड़े कानून बनाने के संकेत दिए थे। चूंकि, विधानमंडल का सत्र अभी नहीं चल रहा है इसलिए आर्डिनेंस लाने का फैसला किया गया है। यह कानून सभी प्रकार की भर्ती परीक्षाओं, नियमितीकरण या प्रमोशन की परीक्षाओं, डिग्री-डिप्लोमा, प्रमाण पत्रों या शैक्षिक प्रमाण पत्रों की प्रवेश परीक्षाओं पर लागू होगा। अगर पेपर लीक या ऐसी किसी भी गतिविधि से परीक्षा प्रभावित होती है तो उस पर आने वाला खर्च सॉल्वर गिरोह से वसूली जाएगा। परीक्षा में गड़बड़ी करने वाली कंपनियों और सेवा प्रोवाइडर को हमेशा के लिए ब्लैक लिस्ट कर दिया जाएगा। अपराधियों की संपत्ति की कुर्की भी की जाएगी। इस कानून के तहत आने वाली सभी अपराध गैर जमानती व संज्ञेय की श्रेणी में आएंगे। यानी आरोपी को जमानत नहीं मिलेगी। जमानत के नियम काफी कड़े रखे गए हैं। सेशन कोर्ट के नीचे इसमें सुनवाई होगी।

एग्जॉस्ट फैन तोड़कर वाइन शॉप में घुसे चोर

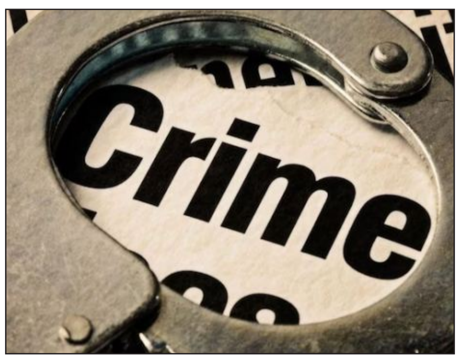

झांसी, झांसी के मऊरानीपुर थानक्षेत्र में एक बीयर शॉप से बियर की पेटियां, नकदी, पीओएस मशीन और सीसीटीवी कैमरे के डीवीआर चोरी होने का मामला सामने आया है। हैरत की बात यह है कि चोर इस दुकान में दरवाजे से नहीं बल्कि पिछले हिस्से में लगे एग्जॉस्ट फैन को तोड़कर उसके रास्ते से भीतर घुसे। घटना की सूचना पर स्थानीय थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। जिस दुकान में चोरी की घटना हुई वह कस्बे के सबसे व्यस्ततम क्षेत्र में अंबेडकर तिराहे के पास स्थित है। बियर शॉप के संचालक ने पुलिस को जानकारी दी है कि दुकान में निगरानी के लिए लगाए गए सीसीटीवी और डीवीआर भी चोरी चले गए हैं। बियर की कितनी पेटियां चोरी हुई है, इसकी पड़ताल के लिए स्टॉक का मिलान किया जा रहा है। लगभग 6 हजार रुपये का कैश भी चोरी हुआ है। बियर शॉप के कर्मचारी अमर यादव ने बताया कि सुबह जब हमने दुकान खोला तो यहां सारा सामान बिखरा पड़ा था। जब हमने गुल्लक में रखे रुपये चेक किये तो उसमें रखे लगभग 6 हजार रुपये गायब थे। बियर की पेटी भी गई है। हिसाब का मिलान करने पर पता चलेगा कि कितनी पेटियां गई हैं। स्कैन करने वाली सरकारी मशीन भी चोरी हो गई है।

रामलला के दर्शनों के लिए अब साधु-संतों के लिए भी बनेंगे पास

अयोध्या, राम मंदिर में दर्शन व्यवस्था को लेकर अहम बदलाव किए गए हैं। मंदिर निर्माण समिति की बैठक में इस पर मंथन के बाद अब साधु-संतों को रोजाना दर्शन के लिए पास जारी किए जाएंगे। मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि अयोध्या के संतों के दैनिक क्रिया व पूजन व्यवस्था में रोजाना राम लला का दर्शन भी है। इसलिए, साधु-संतों की भावनाओं और उनकी मांग पर फैसला किया गया है कि उन्हें रोजाना दर्शन का विशेष पास जारी किया जाए।

उसी के साथ मंदिर के सुगम और आरती पास की संख्या में बढ़ोतरी कर दी गई है। उनके दर्शन और विकलांग वील चेयर के दर्शन पास की व्यवस्था पहले की तरह ही रहेगी। अब केवल वीवीआईपी पास वाले ही वीआईपी गेट 2 से मंदिर में प्रवेश कर सकेंगे। इस प्रवेश द्वार से वायरलेस मैसेज से प्रवेश पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। विशिष्ट दर्शन योजना केवल आफ लाईन लागू रहेगी। इसके लिए मंदिर ट्रस्ट कार्यालय के अलावा डीएम, एसएसपी, कमिश्नर और आईजी कार्यालय से पास जारी हो सकेंगे। इस बीच सुगम दर्शन पास की संख्या बढ़ाई गई है। अब ऑन लाइन पास हर स्लॉट के लिए 150 ही रहेंगे। ऑफ लाईन रेफरल पास की संख्या प्रत्येक स्लॉट में 150 से बढ़ाकर 400 कर दी गई है। यह पास मंदिर ट्रस्ट दफ्तर से ट्रस्ट की संस्तुति पर ही जारी किए जा रहे हैं।

गोरखपुर-वाराणसी हाइवे पर भीषण कार एक्सिडेंट

गाजीपुर, गोरखपुर-वाराणसी फोरलेन पर डाड़ी टोल प्लाजा के समीप वाराणसी के तरफ से आ रही स्विफ्ट डिजायर कार का एक्सीडेंट हो गया। कार अनियंत्रित होकर ट्रक में घुस गयी। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, तीन लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए। मृतक कांग्रेस के गोरखपुर के महानगर अध्यक्ष थे। घायलों को वाराणसी के लिए रेफर कर दिया गया है। घायलों की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

इस घटना की जानकारी मिलते ही बिरनो पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से बाहर निकालकर अस्पताल भिजवाया। डॉक्टरों ने आशुतोष तिवारी को मृत घोषित कर दिया। उनकी घायल पत्नी और दोनों बेटियों को प्राथमिक इलाज के लिए वाराणसी रेफर कर दिया, जहां पर घायलों की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। हादसे के बाद चालक अमन घटना के बाद मौके से फरार बताया जा रहा है। मृतक सुधीर शुक्ला गोरखपुर के महानगर अध्यक्ष भी थे।

इस घटना को लेकर मृतक के मामा सुधीर शुक्ला ने बताया कि रविवार को वह घर से वाराणसी स्थित काशी विश्वनाथ धाम का दर्शन करने के लिए गए थे। वह अपनी पत्नी और बच्चों को साथ लेकर गए थे। वाराणसी से आते समय सोमवार देर रात यह सड़क दुर्घटना हुई। मृतक आशुतोष तिवारी आचार्य नरेंद्र देव इंटर कॉलेज लहसड़ी गोरखपुर में हेड क्लर्क के पद पर तैनात थे। वह कांग्रेस के गोरखपुर के महानगर अध्यक्ष भी थे। बिरनो थानाध्यक्ष अशोक मिश्रा ने बताया कि मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। वहीं मृतक के मामा सुधीर शुक्ला के तहरीर पर आगे कार्यवाही की जा रही है। मंगलवार को आशुतोष तिवारी का पोस्टमॉर्टम गाजीपुर मर्चरी में होना है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय की भी गाजीपुर इस घटना की जानकारी होने के बाद पहुंचने की सूचना आ रही है।

विनोद एस.पी. सिंह
चीफ ब्यूरो- उत्तर प्रदेश
मो. 8887830802

बस के कंडक्टर ने खरगोश का काटा किराया

बरेली, रोडवेज बस में बस कंडक्टर ने सफर कर रहे यात्री के साथ पिंजरे में बैठे दो खरगोश के भी दो हाफ टिकट काट दिए। यात्री ने मामले की शिकायत एक्स पर की तो मुख्यालय के अफसर हरकत में आए। बरेली डिपो से पूछताछ हुई और बस कंडक्टर रूट ऑफ कर दिया गया। परिवहन निगम के परिचालकों को नियमावली की जानकारी नहीं है। यही वजह रही कि बरेली डिपो के एक कंडक्टर ने बस में दो खरगोश को भी टिकट काटकर यात्रा करा दी। इतना ही नहीं कंडक्टर ने खरगोश को यात्री मानते हुए टिकट भी बना दिया। बरेली डिपो की बस बदायूं जा रही थी। बस में यात्री विकेंद्र शर्मा ने एक्स पर बस कंडक्टर की मनमानी की शिकायत की। जहां पिंजरे में खरगोश के दो बच्चे होने पर कंडक्टर ने एक फुल टिकट के आधार पर 75 रुपए का टिकट बना दिया। जबकि एक यात्री से सामान ले जाने के नाम पर 450 रुपए लिए और टिकट भी नहीं दिया। बरेली डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक को जांच के आदेश दिए गए हैं।

युवक ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

बदायूं, जिले के बिसौली थाना क्षेत्र के ग्राम सर्वा के रहने वाले जुगल किशोर (25) ने अपने ही घर में फंदे से लटककर खुदकुशी कर ली। मंगलवार सुबह जब परिजन उसके शव को अंतिम संस्कार करने के लिए ले जा रहे थे कि ससुरालियों की सूचना पर थाना पुलिस पहुंच गई। युवक के शव का अंतिम संस्कार करने से रोक दिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक जुगल किशोर पुत्र संतोष की शादी लगभग दो वर्ष पहले काल्पुर की रहने वाली रीता के साथ हुई थी। परिजनों का कहना है कि सोमवार रात पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। उससे नाराज होकर जुगल किशोर ने फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। जानकारी होने पर युवक के ससुरालिया व और भी रिश्तेदार पहुंच गए। सुबह सभी लोगों ने बैठकर फैसला लिया कि जुगल किशोर की पत्नी की शादी देवर से करा दी जाएगी। वह शव का पोस्टमार्टम नहीं कराएंगे, लेकिन मृतक का साला विनेश इसके लिए तैयार नहीं हुआ। परिजन युवक के शव को अंतिम संस्कार करने के लिए शमशान ले गए। सूचना पर कोतवाली इंस्पेक्टर ब्रजेश कुमार सिंह और सीओ सुनील कुमार पहुंच गए। उन्होंने शव का अंतिम संस्कार नहीं होने दिया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इंस्पेक्टर ने कहा कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई होगी।

प्री मानसून बारिश की हुई शुरूआत

कुशीनगर, कुशीनगर में शनिवार को सुबह से ही मौसम बदलने के संकेत मिलने लगे थे। बादलों की मौजूदगी से सुबह का मौसम काफी सुहावना रहा। जैसे-जैसे दिन बढ़ता गया, तापमान में भी बढ़ोतरी हुई और यह 36°C तक पहुंच गया। दोपहर 2-3 बजे के बीच हल्की बारिश की बूंदों ने मौसम को और भी सुहावना बना दिया। हालांकि, हवा में नमी बढ़ने से लोगों को उमस का सामना करना पड़ा। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार मंगलवार को भी तापमान 35-36छ्ण के आसपास रहेगा। दिन में 20-30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी। इसके साथ ही बादल और धूप का मिलाजुला मौसम जारी रहेगा। मौसम वैज्ञानिक डॉ. कैलाश पांडेय ने बताया कि गोरखपुर में 23 जून से बारिश के आसार हैं, जबकि 24 जून से भारी बारिश हो सकती है। मानसून अभी बिहार के पास 100 किलोमीटर दूर है। अनुमान है कि अगले 2-3 दिनों में मानसून गोरखपुर पहुंचेगा और 7-8 दिनों में पूरे प्रदेश को कवर करेगा। रविवार को प्रदेश के 26 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। वहीं 12 जिलों में लू की चेतावनी दी गई है। अगले 5 दिनों तक आंधी, तूफान, बारिश और बिजली गिरने की संभावना है। कुशीनगर में प्री-मानसून बारिश ने गर्मी से राहत दी है, लेकिन उमस की परेशानी भी साथ लाई है। आने वाले दिनों में बारिश की संभावना बढ़ने से मौसम में और भी बदलाव हो सकते हैं। लोगों को मौसम की ताजा जानकारी के लिए सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

सपा सांसद जियाउर्रहमान की स्कॉर्पियो से कुचलकर मौत

संभल, संभल लोकसभा सीट से सपा के नवनिर्वाचित सांसद जियाउर्रहमान बर्क की स्कॉर्पियो कार से हादसा हो गया। नखासा क्षेत्र के हसनपुर रोड पर एक बाइक सवार क्लीनिक संचालक को सोमवार की देर रात वाहन ने टक्कर मारकर गंभीर घायल कर दिया। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने रात में ही सपा सांसद की कार को जब्त कर ड्राइवर फसह को गिरफ्तार कर लिया। एफआईआर लिखकर मंगलवार को उसे जेल भेज दिया पुलिस के मुताबिक गौरव कुमार (30) थाना एचौड़ा कम्बोह के गांव अल्लीपुर निवासी थे। भाई कोसिंदर ने पुलिस को बताया कि गौरव की तीन बेटियां हैं। एक सप्ताह पहले ही बेटा पैदा हुआ। इसी खुशी में वह रिश्तेदारों के यहां मिठाई देने चमरौआ गए थे। देर रात वहां से लौट रहे थे। संभल-हसनपुर मार्ग पर तेज रफ्तार स्कॉर्पियो कार ने बाइक को टक्कर मार दी। पुलिस ने गौरव को अस्पताल में भर्ती कराया। घरवालों को सूचना देकर बुलाया। अस्पताल में गौरव की मौत हो गई। संभल के अपर पुलिस अधीक्षक श्रीशचंद्र का कहना है कि सांसद की स्कॉर्पियो कार को मौके से जब्त कर लिया। ड्राइवर फहद को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ड्राइवर नखासा का रहने वाला है। मंगलवार को ही गौरव के शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया। हालांकि गौरव के परिजनों ने पुलिस पर कार्रवाई में लापरवाही का आरोप लगाया है। गौरव के भाई कोसिंदर का कहना है कि पुलिस सांसद के सपोर्ट में है। दरअसल संभल लोकसभा सीट से समाजवादी पार्टी के टिकट पर लोकसभा चुनाव जीतने वाले जियाउर्रहमान बर्क संभल के पूर्व सांसद डॉ. शफीकुर्रहमान बर्क के पोते हैं। जियाउर्रहमान 2017 में कुंदरकी विधानसभा सीट से विधायक बने थे। 2024 में पहला लोकसभा का चुनाव लड़ा और सांसद चुन लिए गए।

ठंडा पड़ा इंदिरापुरम हैंडओवर का मुद्दा?

गाजियाबाद, जीडीए द्वारा इंदिरापुरम हैंडओवर का मुद्दा ठंडे बस्ते में चला गया है। शायद यही वजह है कि अभी तक नगर निगम द्वारा हैंडओवर को लेकर इंदिरापुरम की जो रिपोर्ट जमा करनी थी वह जमा नहीं हो पाई। हैंडओवर के मुद्दे पर जब जीडीए के वरिष्ठ अधिकारियों और नगर निगम के अधिकारियों से सवाल पूछा जाता है तो वह या तो जवाब देने से बचते हैं या फिर फोन ही नहीं उठा पाते हैं।

सूत्रों की मानें तो अभी तक केवल सड़क, सेंट्रल वर्ज और नाले का ही रिपोर्ट जमा हुआ है। केवल इन तीन विभागों के लिए ही लगभग 175 करोड़ के करीब एस्टीमेट सामने आ रहा है। अभी सीवर और पार्क की रिपोर्ट आनी बाकी है। लेकिन इन रिपोर्ट को जमा होने में काफी देरी हो रही है। जीडीए और नगर निगम दोनों ही विभागों के बीच में आपसी सामंजस्य की भी काफी कमी दिख रही है। ऐसा इसलिए क्योंकि पिछले बार बुलाई गई बैठक में नगर निगम की तरफ से अधिकारी भी नहीं आए थे, जिसके कारण बैठक किसी निष्कर्ष तक नहीं पहुंच पाया। जबकि शुरुआत में जीडीए के कई अधिकारियों का दावा था की एक महीने के अंदर हैंडओवर की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। बाद में लोकसभा चुनाव में व्यस्त और आचार संहिता लागू होने का भी बहाना बनाया गया। वहीं नगर निगम और जीडीए में कई अधिकारियों के तबादले भी हो गए। ऐसे में कहा जा रहा है की हैंडओवर की प्रक्रिया फिर देर हो सकती है। वहीं इंदिरापुरम के पार्षदों ने पहले ही जीडीए और नगर निगम को धमकी दी हुई है की इस बार इंदिरापुरम का हैंडओवर नहीं हुआ तो वह प्रदर्शन करेंगे, क्योंकि इंदिरापुरम की जनता पर दोहरा टैक्स लगाया जा रहा है।जीडीए के सचिव राजेश कुमार ने कहा कि सरकारी प्रक्रिया है, धीरे-धीरे हो रही है। हम काम कर रहे हैं। जल्दबाजी में ऐसे फैसले नहीं ले सकते हैं। गाजियाबाद के नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश कुमार ने बताया कि जो भी रिपोर्ट जमा हो रही है, उसकी सारी जानकारी नगर आयुक्त को दी जा रही है। वहीं मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

संसद में डिंपल यादव की दो टूक?

मैनपुरी, सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव की विरासत संभाल रहीं मैनपुरी की सपा सांसद डिंपल यादव शपथ लेने के लिए संसद पहुंचीं हुई हैं। मंगलवार को मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा इस बार विपक्ष बहुत मजबूत है। ये अच्छी बात है कि विपक्ष ने स्पीकर पद के लिए अपने नेता का नाम चुना है। इंडिया गठबंधन ने स्पीकर पद के लिए कांग्रेस सांसद के सुरेश को खड़ा कर दिया है। दूसरी ओर, एनडीए की तरफ से पूर्व स्पीकर ओम बिड़ला का नाम ही आगे बढ़ाया गया है। लोकसभा के इतिहास में यह पहली बार है जब स्पीकर पद के लिए इतनी जद्दोजहद करनी पड़ रही है। यूपी से इस बार समाजवादी पार्टी के 37 सांसद जीतकर सदन पहुंचे हैं। इनमें 9 बार के विधायक रहे अवधेश प्रसाद भी शामिल हैं। अवधेश प्रसाद की वजह से बीजेपी को अयोध्या में हार का सामना करना पड़ा है। उन्होंने दो बार लगातार यहां से जीत रहे बीजेपी के पूर्व सांसद लल्लू सिंह को बड़े वोटों के अंतर से हरा दिया। सोमवार को संसद भवन में सपा मुखिया अखिलेश यादव हाथ पकड़कर अवधेश प्रसाद को अपने साथ संसद के भीतर ले गए। यूपी के पूर्व सीएम मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद खाली हुई मैनपुरी सीट पर 2022 में उपचुनाव कराया गया। मुलायम की बहू डिंपल यादव ने पौने तीन लाख वोटों से जीत हासिल कर ससुर की विरासत संभाली। वह मैनपुरी की पहली महिला सांसद बनीं। इससे पहले डिंपल 2019 लोकसभा चुनाव में कन्नौज से बीजेपी के सुब्रत पाठक से हार गई थीं। डिंपल यादव ने 2009 में फिरोजाबाद लोकसभा उपचुनाव से अपने राजनीतिक करियर से शुरुआत की थी। इसमें उन्हें कांग्रेस प्रत्याशी राज बब्बर से हार का सामना करना पड़ा था। डिंपल यादव और अखिलेश यादव की 1999 में शादी हुई थी। शादी समारोह में फिल्म स्टार अमिताभ बच्चन और राजेश खन्ना जैसी हस्तियां भी शामिल हुई थीं।

हाथरस पुलिस पर टॉर्चर का आरोप

हाथरस, हाथरस में आगरा के रहने वाले एक युवक ने पुलिस के टॉर्चर से परेशान होकर बीते शनिवार खुदकुशी कर ली। उसने फांसी का फंदा लगाकर अपनी जान दे दी। सोमवार दोपहर उसके बड़े भाई ने भी पुलिस की कार्यवाही से परेशान होकर गांव में ही फांसी के फंदे से लटकर जान दे दी। मृतक पुलिस विभाग में होमगार्ड के पद पर तैनात था। दोनों भाइयों की मौत के बाद गांव वालों में पुलिस के खिलाफ काफी आक्रोश है। होमगार्ड का शव तीन घंटे तक पेड़ पर लटका रहा। घटना से आक्रोशित गांव के लोगों ने पुलिस को उसे उतारने नहीं दिया। लोगों ने चौकी इंचार्ज को भी मौके से भगा दिया। गांव में लोग लगातार पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। परिवार के लोगों का आरोप है कि बड़ा भाई प्रमोद अपने छोटे भाई संजय सिंह को इंसाफ दिलाने के लिए एफआईआर लिखाना चाहता था। लेकिन पुलिस ने कोई एक्शन नहीं लिया। घटना के बाद ग्रामीणों के विरोध और तनाव की सूचना पर पुलिस फोर्स गांव पहुंच गई। एसपी सुकन्या शर्मा भी मौके पर पहुंचीं। मामला आगरा जिले के बरहन थाना क्षेत्र के रूपधनू गांव का है। पूरे मामले में DIG अलीगढ़ शलभ माथुर ने हाथरस के सादाबाद थाने के SO मुकेश कुमार को लाइन हाजिर कर दिया है। सब-इंस्पेक्टर हरिओम अग्निहोत्री को सस्पेंड कर दिया है। DIG ने एडिशनल एसपी को पूरे मामले की जांच करने के निर्देश दिए हैं। आगरा जिले के थाना बरहन के गांव रूपधनू के रहने वाले किसान संजय सिंह का साला हाथरस जिले की कोतवाली सादाबाद क्षेत्र से एक युवती को भगा कर ले गया था। सादाबाद कोतवाली में युवती को भगा ले जाने का मुकदमा दर्ज हुआ था। सादाबाद पुलिस ने साले को पकड़ने के लिए जीजा संजय सिंह को पूछताछ के लिए कोतवाली में पकड़कर बैठा लिया था। आरोप है कि उसे सादाबाद पुलिस ने बंद कर थर्ड डिग्री टॉर्चर किया था। बाद में शांति भंग की धारा में चालान कर उसे छोड़ दिया था। आरोप है कि पुलिस ने संजय सिंह से कहा था कि अगर लड़की नहीं मिली तो फिर थाने ले आएंगे। 22.6.24 दिन शनिवार को पुलिस ने उसे फिर से बुलाया था। पुलिस के टॉर्चर और धमकी से आहत होकर संजय सिंह ने शनिवार को अपने गांव के खेत में पेड़ से लटक कर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। हाथरस पुलिस उसे भी संजय सिंह और लड़की के मामले में जांच पड़ताल के लिए बुला रही थी। लेकिन सोमवार की शाम उसने भी पेड़ पर फांसी के फंदे से लटकर आत्महत्या कर ली। ग्रामीणों में पुलिस के खिलाफ काफी आक्रोश है।

पुरी के जगन्नाथ मंदिर में आज भी की जाती है अधूरी मूर्ति की पूजा

हिंदू धर्म के हिसाब से चार धाम बदरीनाथ, द्वारिका, रामेश्वरम और पुरी है. मान्यता है कि भगवान विष्णु जब चारों धाम पर बसे तो सबसे पहले बदरीनाथ गए और वहां स्नान किया, इसके बाद वो गुजरात के द्वारिका गए और वहां कपड़े बदले. द्वारिका के बाद ओडिशा के पुरी में उन्होंने भोजन किया और अंत में तमिलनाडु के रामेश्वरम में विश्राम किया. पुरी में भगवान श्री जगन्नाथ का मंदिर है. पुरी के इस मंदिर में भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बालभद्र और बहन सुभद्रा की काठ (लकड़ी) की मूर्तियां हैं. लकड़ी की मूर्तियों वाला ये देश का अनोखा मंदिर है. जगन्नाथ मंदिर की ऐसी तमाम विशेषताएं हैं, साथ ही मंदिर से जुड़ी ऐसी कई कहानियां हैं जो सदियों से रहस्य बनी हुई हैं.

हर 12 साल में बदली जाती हैं मूर्तियां-
जगन्नाथ पुरी मंदिर की तीनों मूर्तियां हर 12 साल में बदली जाती हैं. पुरानी मूर्तियों की जगह नई मूर्तियां स्थापित की जाती हैं. मूर्ति बदलने की इस प्रक्रिया से जुड़ा भी एक रोचक किस्सा है. जिस वक्त मूर्तियां बदली जाती हैं तो पूरे शहर में बिजली काट दी जाती है. मंदिर के आसपास पूरी तरह अंधेरा कर दिया जाता है. मंदिर के बाहर सीआरपीएफ की सुरक्षा तैनात कर दी जाती है. मंदिर में किसी की भी एंट्री पर पाबंदी होती है. सिर्फ उसी पुजारी को मंदिर के अंदर जाने की इजाजत होती है जिन्हें मूर्तियां बदलनी होती हैं. मंदिर से जुड़ी एक मान्यता है कि जब भगवान कृष्ण ने अपनी देह का त्याग किया और उनका अंतिम संस्कार किया गया तो शरीर के एक हिस्से को छोड़कर उनकी पूरी देह पंचतत्व में विलीन हो गई. मान्यता है कि भगवान कृष्ण का हृदय एक जिंदा इंसान की तरह ही धड़कता रहा. कहते हैं कि वो दिल आज भी सुरक्षित है और भगवान जगन्नाथ की लकड़ी की मूर्ति के अंदर है. पुजारी की आंखों पर भी पट्टी बांधी जाती है. हाथों में ग्लव्स पहनाए जाते हैं. इसके बाद मूर्तियां बदलने की प्रक्रिया शुरू होती है. पुरानी मूर्तियों की जगह नई मूर्तियां लगा दी जाती हैं, लेकिन एक ऐसी चीज है जो कभी नहीं बदली जाती, ये है ब्रह्म पदार्थ ब्रह्म पदार्थ को पुरानी मूर्ति से निकालकर नई मूर्ति में लगा दिया जाता है.

क्या है ब्रह्म पदार्थ- ये ब्रह्म पदार्थ क्या है, इसके बारे में आजतक कोई जानकारी किसी के पास नहीं है. बस कुछ किस्से हैं जो मूर्ति बदलने वाले पुजारियों से सुनने को मिले हैं. ये ब्रह्म पदार्थ हर 12 साल में पुरानी मूर्ति से नई मूर्ति में बदल दिया जाता है, लेकिन मूर्ति बदलने वाले पुजारी को भी नहीं पता होता है कि वो क्या है. मान्यता ये है कि इस ब्रह्म पदार्थ को अगर किसी ने देख लिया तो उसकी मौत हो जाएगी. कहा ये भी जाता है कि अगर इस पदार्थ को किसी ने देख लिया तो सामने वाले के शरीर के चीथड़े उड़ जाएंगे.

एक किस्सा ये है कि इस ब्रह्म पदार्थ को हमेशा श्रीकृष्ण से जोड़कर देखा जाता है. मूर्ति बदलने वाले कुछ पुजारियों ने बताया है कि जब ब्रह्म पदार्थ पुरानी मूर्ति से निकालकर नई मूर्ति में डालते हैं तो हाथों से ही ऐसा किया जाता है, उस वक्त ऐसा लगता है कि हाथों में कुछ उछल रहा है, जैसे खरगोश उछल रहा हो, कोई ऐसी चीज है जिसमें जान है. क्योंकि हाथों में दस्ताने होते हैं इसलिए उस पदार्थ के बारे में ज्यादा एहसास नहीं हो पाता है. यानी ब्रह्म पदार्थ के किसी जीवित पदार्थ होने की कहानियां जरूर हैं, लेकिन इसकी हकीकत क्या है, ये कोई नहीं जानता.

सिंहद्वार का रहस्य-
जगन्नाथ पुरी मंदिर समंदर किनारे पर है. मंदिर में एक सिंहद्वार है. कहा जाता है कि जब तक सिंहद्वार में कदम अंदर नहीं जाता तब तक समंदर की लहरों की आवाज सुनाई देती है, लेकिन जैसे ही सिंहद्वार के अंदर कदम जाता है लहरों की आवाज गुम हो जाती है. इसी तरह सिंहद्वार से निकलते वक्त वापसी में जैसे ही पहला कदम बाहर निकलता है, समंदर की लहरों की आवाज फिर आने लगती है.ये भी कहा जाता है कि सिंहद्वार में कदम रखने से पहले आसपास जलाई जाने वाली चिताओं की गंध भी आती है, लेकिन जैसे ही कदम सिंहद्वार के अंदर जाता है ये गंध भी खत्म हो जाती है. सिंहद्वार के ये रहस्य भी अब तक रहस्य ही बने हैं.

नहीं नजर आते पक्षी- आमतौर पर मंदिर, मस्जिद या किसी बड़ी इमारत पर पक्षियों को बैठे हुए देखा जाता है. लेकिन जगन्नाथ मंदिर पर कभी किसी पक्षी को उड़ते हुए नहीं देखा गया. कोई पक्षी मंदिर परिसर में बैठे हुए दिखाई नहीं दिया. यही वजह है कि मंदिर के ऊपर से हवाई जहाज, हेलिकॉप्टर के उड़ने पर भी मनाही है.

मंदिर के झंडे का रहस्य- जगन्नाथ मंदिर करीब चार लाख वर्ग फीट एरिया में है. इसकी ऊंचाई 214 फीट है. आमतौर पर दिन में किसी वक्त किसी भी इमारत या चीज या इंसान की परछाई जमीन दिखाई देती है लेकिन जगन्नाथ मंदिर की परछाई कभी किसी ने नहीं देखी. इसके अलावा मंदिर के शिखर पर जो झंडा लगा है, उसे लेकर भी बड़ा रहस्य है. इस झंडे को हर रोज बदलने का नियम है. मान्यता है कि अगर किसी दिन झंडे को नहीं बदला गया तो शायद मंदिर अगले 18 सालों के लिए बंद हो जाएगा. इसके अलावा ये झंडा हमेशा हवा की विपरीत दिशा में उड़ता है. मंदिर के शिखर पर एक सुदर्शन चक्र भी है. कहा जाता है कि पुरी के किसी भी कोने से अगर इस सुदर्शन चक्र को देखा जाए तो उसका मुंह आपकी तरफ ही नजर आता है. कहा जाता है कि जगन्नाथ मंदिर में दुनिया की सबसे बड़ी रसोई है. इस रसोई में 500 रसोइये और 300 उनके सहयोगी काम करते हैं. इस रसोई से जुड़ा एक रहस्य ये है कि यहां चाहे लाखों भक्त आ जाएं कभी प्रसाद कम नहीं पड़ा. लेकिन जैसे ही मंदिर का गेट बंद होने का वक्त आता है प्रसाद अपने आप खत्म हो जाता है. यानी यहां प्रसाद कभी व्यर्थ नहीं होता है. इसके अलावा मंदिर में जो प्रसाद बनता है वो लकड़ी के चूल्हे पर बनाया जाता है. ये प्रसाद सात बर्तनों में बनाया जाता है. सातों बर्तन को एक-के ऊपर एक करके एक-साथ रखा जाता है. यानी सातों बर्तन चूल्हे पर एक सीढ़ी की तरह रखे होते हैं. सबसे हैरानी की बात ये है कि जो बर्तन सबसे ऊपर यानी सातवें नंबर का बर्तन होता है उसमें सबसे पहले प्रसाद बनकर तैयार होता है. इसके बाद छठे, पांचवे, चौथे, तीसरे, दूसरे और पहले यानी सबसे नीचे के बर्तन का प्रसाद तैयार होता है. पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान श्विष्णु जब चारों धाम पर बसे, तो सबसे पहले बद्रीनाथ पहुंचे, जहां उन्होंने स्नान किया, फिर इसके बाद जब वो गुजरात गए, तो उन्होंने वहां कपड़े बदले। आगे भगवान ओडिशा के पुरी पहुंचे, जहां उन्होंने खाना खाया और आखिर में भगवान विष्णु तमिलनाडु के रामेश्वरम पहुंचे, जहां उन्होंने आराम किया। हिंदू धर्म में धरती का बैकुंठ कहे जाने वाले जगन्नाथ पुरी को बेहद ही खास महत्व समझा जाता है। यहां भगवान श्री कृष्ण सुभद्रा और बलराम जी की रोज विधि-विधान के साथ पूजा होती है। जगन्नाथ तिकड़ी के पूजा आमतौर पर पुरी के मंदिर के गर्भगृह में कइल जाला, बाकी एक बेर असाढ़ महीना (उड़ीसा के बरसात के मौसम, आमतौर पर जून या जुलाई के महीना में पड़ने वाला) में एक बेर इनहन के बड़ा दंडा (के मुख्य गली) पर बाहर ले आवल जाला पुरी) आ यात्रा के बारे में बतावल गइल बा किमी) तक श्री गुंडीचा मंदिर तक, विशाल रथ (रथ) में, जनता के दर्शन (पवित्र दृश्य) के अनुमति मिलेला। एह परब के रथ यात्रा के नाम से जानल जाला, मतलब रथ के यात्रा। रथ विशाल चक्का वाला लकड़ी के ढाँचा होखे लें जवन हर साल नया सिरा से बनावल जालें आ इनहन के भक्त लोग खींचेला। जगन्नाथ खातिर रथ लगभग 45 फीट ऊँच आ 35 फीट वर्ग के होखे ला आ एकरा के बनावे में लगभग 2 महीना के समय लागेला। पुरी के कलाकार आ चित्रकार लोग गाड़ी सभ के सजावे ला आ पहिया सभ पर फूल के पंखुड़ी आ अउरी डिजाइन सभ, लकड़ी पर नक्काशीदार सारथी आ घोड़ा सभ आ सिंहासन के पीछे के देवाल पर उल्टा कमल सभ के रंगे ला। रथ यात्रा के दौरान खींचल गइल जगन्नाथ के बिसाल रथ सभ अंग्रेजी शब्द जग्गरनॉट के व्युत्पत्ति के उत्पत्ती हवें।

रथ-यात्रा के श्री गुंडीचा यात्रा के रूप में भी कहल जाला। ऐसा माना जाता है कि भगवान विष्णु जी ने जब शरीर के शरीर त्याग करने के बाद उनका अंतिम संस्कार किया गया, तब शरीर के एक हिस्से को छोड़ उनका सारा शरीर पंच तत्व में मिल गया। कहते हैं भगवान श्री कृष्ण का दिल उस दौरान धड़क रहा था, जो आज भी भगवान जगन्नाथ की प्रतिमा के अंदर सुरक्षित है। जगन्नाथ पूरी में मिलने वाले प्रसाद को महाप्रसाद कहते हैं, कहा जाता है कि इसके पीछे एक खास विधि का उपयोग होता है। इस प्रसाद की खासियत है कि इसे मिट्टी के बर्तन में ही बनाया जाता है इसके अलावा ये प्रसाद गैस पर नहीं बल्कि लड़की के चूल्हे पर तैयार होता है। जब प्रसाद बनता है तो एक के ऊपर एक बर्तन रख दिए जाते हैं।

बुध उदय से होगी धन वर्षा 7 राशियों के लिए होगा वरदान

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार बुध ग्रह संवाद, तर्क, कारोबार का कारक है। बुध उदय कई लोगों को शुभ फल देते हैं और कुछ लोगों को बुध अशुभ प्रभाव देते हैं। बता दें कि बुध महाराज 27 जून 2024 को सुबह 04.22 बजे मिथुन राशि में उदय होगा। इससे 12 राशियों के लोगों और शेयर बाजार पर बड़ा असर पड़ेगा। इसके ठीक दो दिन बाद यानी 29 जून को बुध देव कर्क राशि में गोचर कर जाएंगे। आइए जानते हैं कि बुध उदय से किन लोगों लोगों को सर्वाधिक फायदा होगा। बुध का मिथुन राशि में उदय इन लोगों के लिए वरदान ....

मेष राशि- मेष राशि वालों के लिए बुध महाराज के उदय से संचार कौशल शानदार होगा। इसकी मदद से मेष राशि वाले महत्वपूर्ण कामों को पूरा करने में सफल होंगे। वहीं करियर में सहकर्मियों से रिश्ते सौहार्द्र पूर्ण बने रहेंगे और उनका रवैया आपके साथ मित्रवत रहेगा। ऐसे लोग जो मीडिया या मार्केटिंग से जुड़े हैं उनके लिए लाभ की स्थिति बनेगी। इस समय आपके नए-नए दोस्त बनेंगे। वाणी में सुधार आएगा। बुध उदय मेष राशि वालों के पिता के लिए शुभ फलदायक रहेगा। जीवनसाथी और भाई-बहनों से रिश्ते मजबूत होंगे।

वृषभ राशि- वृषभ राशि के लोगों के लिए बुध ग्रह का उदय जीवन में सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे। परिजनो के साथ बात कर समस्या का हल ढूंढ़ने में सफल होंगे। आपकी विनम्रता लोगों को आपके नजदीक लाएगी और आपकी बात को टालना हर किसी के लिए मुश्किल होगा।

मिथुन राशि- मिथुन राशि वालों के लिए बुध उदय आत्मविश्वास बढ़ाने वाला है, यह समाज में मान-सम्मान बढ़ाएगा। इन लोगों के सामाजिक दायरे का विस्तार करेगा। इससे आप अपनी विशिष्ट जगह बना सकेंगे। बुध के मिथुन राशि में उदय से आपके जीवन की आर्थिक समस्याएं और पारिवारिक मतभेद खत्म होंगे। अगर पार्टनर के साथ आप मतभेद का सामना कर रहे हैं तो उसका समाधान हो जाएगा और इसके फलस्वरूप आप साथी के साथ यादगार समय बिताते हुए दिखाई देंगे। आप दोनों साथ मिलकर परिवार को मजबूत करने के बारे में सोचेंगे और ठोस कदम उठाएंगे। आप लापरवाह जीवन जिएंगे जिससे आसपास के लोगों का मनोरंजन होगा। ऐसे लोग आप से प्रेम करेंगे। मीडिया, लिटरेचर या कला के क्षेत्र से जुड़े लोग बुध उदय की अवधि में ख्याति प्राप्त करेंगे।

सिंह राशि-आपकी राशि सिंह है तो बुध उदय आपके पारिवारिक जीवन को खुशहाल बनाएगा। आप अपने भाई-बहनों के साथ समय बिताएंगे। वह आपका साथ देंगे और जीवन के लक्ष्यों को हासिल करने में मददगार बनेंगे। अगर आपको आर्थिक मदद की जरूरत है तो भी साथ देंगे। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठों के साथ आपके रिश्ते अच्छे बनेंगे और इसके परिणामस्वरूप नौकरी में आपको अच्छा पद मिल सकता है।

कन्या राशि- कन्या राशि वालों को बुध उदय ऊर्जावान बनाएगा और आप उत्साह से भरे रहेंगे। इस समय आपके सपने बड़े होंगे और आप एक साथ कई कामों को करने में सफल होंगे। कन्या राशि वालों के घर में सुख-शांति बनी रहेगी और परिवार के सदस्यों के साथ हंसी-मजाक करेंगे, जिससे घर का वातावरण खुशनुमा रहेगा। आसपास के लोग भी प्रसन्न रहेंगे।

तुला राशि-
तुला राशि के लिए बुध उदय अवधि भाग्यशाली है। हालांकि इस समय तुला राशि वालों का झुकाव आध्यात्म की ओर बढ़ेगा और धार्मिक ग्रंथों को पढ़ने में दिलचस्पी होगी। ऐसे में आप तीर्थस्थलों और सांस्कृतिक धरोहरों की यात्रा करेंगे।

कुंभ राशि- कुंभ राशि वालों के लिए बुध उदय बेहद शुभ है। विभिन्न मार्केट के बारे में आपकी जानकारी बढ़ेगी। अपनी रूचि के माध्यम से पैसा कमाने में सफल होंगे। यह समय उन लोगों के लिए शुभ फलदायक है जो मनोविज्ञान, शिक्षण और ज्योतिष आदि से जुड़े हैं।

गुप्त नवरात्रि 10 दिन होगी मां दुर्गा की आराधना

आषाढ़ मास की शुरुआत 23 जून रविवार से हो गई है। धार्मिक दृष्टि से यह माह काफी महत्वपूर्ण माना गया है। इस माह से चातुर्मास के साथ त्योहारों की शुरुआत होगी। पूरे महीने में 15 से अधिक प्रमुख व्रत और त्योहार रहेंगे। देवशयनी एकादशी के साथ गुप्त नवरात्र, जगन्नाथ रथयात्रा, गुरु पूर्णिमा जैसे प्रमुख व्रत और त्योहार होने से जगत के पालनहार भगवान विष्णु की पूजा आराधना के लिए यह महीना खास रहेगा। आषाढ़ माह में देवशयनी एकादशी के साथ चातुर्मास की शुरुआत होगी। देवशयनी एकादशी 17 जुलाई को मनाई जाएगी। इसके साथ ही तीज त्योहारों की शुरुआत हो जाएगी। चार माह तक साधु संत एक ही स्थान पर रहकर साधना करेंगे। शहर में कई संतों द्वारा चातुर्मास में साधना की जाएगी। ज्योतिषाचार्य डॉ. हुकुमचंद जैन के मुताबिक आषाढ़ का महीना भगवान शिव और विष्णु को समर्पित होता है।

आषाढ़ कृष्ण पक्ष में हो रहा प्रतिपदा और चतुर्दशी तिथि का क्षय- आषाढ़ मास का कृष्ण पक्ष इस बार 13 दिन का ही होगा। इस पक्ष में प्रतिपदा और चतुर्दशी तिथि का क्षय हो गया है। ऐसा संयोग इस वर्ष सूर्य और चंद्र की गति के कारण बन रहा है। जून के आखिरी सप्ताह में तिथियों के क्षय होने से आषाढ़ कृष्ण पक्ष 15 की बजाय 13 ही दिन का रहेगा। 23 जून से 5 जुलाई के बीच दो तिथियां क्षय होने से यह स्थिति बनेगी। जब-जब ऐसा संयोग आता है, देश-दुनिया में आपदा या अप्रत्याशित घटना की आशंका रहती है।

10 दिन के होंगे गुप्त नवरात्र- आषाढ़ माह में गुप्त नवरात्रि भी पड़ रहे हैं। शुरुआत 6 जुलाई से होगी, जो 15 जुलाई भड़लिया नवमी तक रहेंगे। इस बार दस दिन के नवरात्र रहेंगे। यह नवरात्र मनोकामना पूर्ति की साधना के लिए विशेष शुभ माने गए हैं। गुप्त नवरात्र में अनेक स्थानों पर कई साधक गुप्त साधना करेंगे और दस महाविद्याओं की आराधना करेंगे। सात जुलाई को जगन्नाथ रथयात्रा का आयोजन भी किया जाएगा।

17 जुलाई को सो जाएंगे देव- इस बार पर्व-त्योहारों की तिथियों में कई बदलाव देखने को मिलेंगे। देवशयनी एकादशी 17 जुलाई से चातुर्मास की शुरुआत होगी। चातुर्मास का समापन 12 नवंबर को देवउठनी एकादशी पर होगा। इस बार चातुर्मास 118 दिन का रहेगा, जबकि पिछले साल चातुर्मास 148 दिन का रहा था। यह दुर्लभ संयोग 31 साल बाद देखने को मिला हैं।

आषाढ़ मास में कब कौन से पर्व

25 जून संकष्ठी चतुर्थी
29 जून शीतला अष्टमी
02 जुलाई योगिनी एकादशी
03 जुलाई प्रदोष व्रत
05 जुलाई हलहलिनी अमावस्या
06 जुलाई गुप्त नवरात्र शुभारंभ
07 जुलाई जगन्नाथ रथयात्रा
15 जुलाई भड़लिया नवमी
16 जुलाई आशा दशमी
17 जुलाई देवशयनी एकादशी
18 जुलाई प्रदोष
21 जुलाई गुरु पूर्णिमा व्यास पूजा

हनुमानजी की ये हैं प्रिय राशियां...

हनुमान जी को कलियुग में जाग्रत देवता हैं, मान्यता है कि हनुमानजी धरती पर ही निवास कर रहे हैं और भक्तों की पुकार पर उनकी मनोकामना को पूरी करते हैं। विशेष रूप से 5 राशियों के लोगों पर बजरंग बली की विशेष कृपा होती है क्योंकि इनकी हनुमानजी पर गहरी आस्था रहती है।

लेकिन इन राशियों के लोग ये हनुमानजी उपाय करें तो बजरंगबली एक पुकार पर मन्नत पूरी कर देंगे

मेष राशि- मेष राशि के स्वामी ग्रह मंगल हैं। मंगल ग्रह साहस और शक्ति का कारक है। मेष राशि के लोगों के लिए हनुमान जी की पूजा करना विशेष फलदायक साबित होता है। इन राशियों के लोग पूरी श्रद्धा के साथ हनुमान जी की पूजा करते हैं। इनका भावुक और निडर स्वभाव हनुमान जी के गुणों से मेल खाता है और इसी वजह से मेष राशि वाले हनुमान जी के सच्चे भक्त होते हैं। इनके लिए हनुमान चालीसा का पाठ करना लाभकारी होता है।

सिंह राशि- सिंह राशि के लोग हनुमान जी की श्रद्धा से पूजा करते हैं। सिंह राशि के लोगों के स्वामी ग्रह सूर्य हैं और इस राशि के लोग हनुमान जी की सच्चे मन से पूजा करते हैं। ये हनुमान जी की निष्ठा और उनके चुने हुए मार्ग के प्रति अटूट समर्पण रखते हैं। ये अक्सर धार्मिक गतिविधियों में जुटे रहते हैं।

वृश्चिक राशि- वृश्चिक राशि के स्वामी मंगल ग्रह हैं और इस ग्रह के देवता हनुमान जी हैं। इनमें हनुमान जी की तरह साहस और पराक्रम होता है, ये चुनौतियों पर काबू पाने की क्षमता रखते हैं। इनके घर में अक्सर हनुमान जी की मूर्ति होती है। वृश्चिक राशि के लोग हमेशा हनुमान जी की भक्ति करते हैं और हनुमानजी का इन्हें आशीर्वाद मिलता है।

धनु राशि- धनु राशि के लोग हनुमान जी के प्रति सच्ची श्रद्धा रखते हैं। इस ग्रह के स्वामी बृहस्पति ज्ञान और आध्यात्मिकता के कारक हैं। इसलिए धनु राशि के लोगों में आध्यात्मिक विकास और ज्ञान के प्रति झुकाव होता है। धनु राशि के लोग पूरे मन और श्रद्धा से हनुमान जी की पूजा करते हैं इन्हें हनुमानजी का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है।

मकर राशि- मकर राशि के लोग अनुशासित और मेहनती होते हैं। ये हनुमान जी के प्रति गहरी श्रद्धा रखते हैं। मकर राशि के स्वामी ग्रह शनि हैं और मकर राशि के लोगों की हनुमान जी में अटूट निष्ठा होती है।

सदानंद होटल के अवैध निर्माण पर कब चलेगा मनपा का हथौड़ा ?

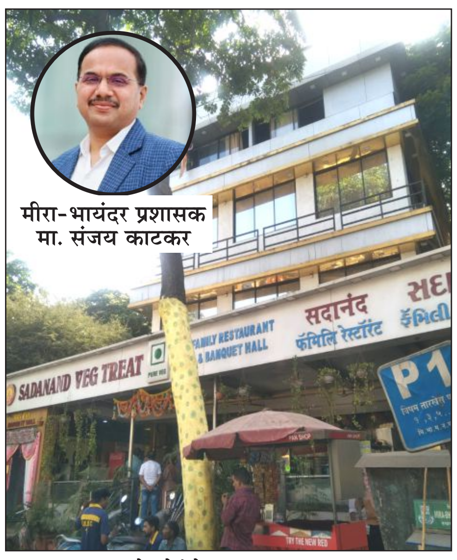

मीरा-भायंदर प्रशासक मा. संजय काटकर

भायंदर, यह देश का बहुत बड़ा दुर्भाग्य है कि गरीबों के खिलाफ अगर एक शिकायत हो जाये तो वो सलाखों के अंदर नजर आता है परंतु जिसके पास पैसा और पावर है वह कानून के शिकंजों से दूर नजर आता है। अब सवाल यह है कि महानगर पालिका का काम है लोगों की जन सुविधाओं का ख्याल रखना व विकास कार्यों पर ध्यान देना, परन्तु मीरा भायांदर मनपा प्रशासन के भ्रष्ट अधिकारी इन जनहित मुद्दों को दरकिनार करते हुए भ्रष्टाचार की चाशनी में इस कदर डूब चुके हैं कि उन्हें जनता जनार्दन की कोई फिक्र नहीं है। इनके इन्हीं भ्रष्टाचारी रवैये के कारण गरीब मज़दूर व आम जनता के हक की रोटी छिनने व उनके जान-माल से खिलवाड़ कर रहे हैं। भायंदर पश्चिम प्रभाकर 02 अंतर्गत सदानंद होटल का अवैध निर्माण पूर्व अतिक्रमण प्रमुख अजीत मूठे ने दूसरा महला पूरा तोड़ा था यह पूरे मनपा विभाग को पता है कई लोगों ने शिकायत की थी लेकिन जैसे ही अजीत मूठे का तबादला हुआ वैसे ही होटल के मालिक ने रातों-रात होटल के दूसरे मालिया को बना दिया। अब जनता टूटा हुआ देखना चाहती है। नए प्रशासक संजय काटकर क्या इसे तोड़ेंगे दूध का दूध, पानी का पानी करेंगे लोगों में चर्चा का विषय पूर्व प्रभाग अधिकारी ने रिश्वत की मलाई खाकर अवैध निर्माण को बनाने में मदद की इसलिए होटल का अवैध निर्माण टूटना चाहिए.

NEET पेपर लीक मामले में बिहार के बाद निकला महाराष्ट्र कनेक्शन

मुंबई, मेडिकल प्रवेश परीक्षा NEET के दौरान पाई गई गड़बड़ी को लेकर देशभर में विरोध प्रदर्शन हो रहे है। बिहार के अलावा महाराष्ट्र में भी पुलिस ने पेपर लीक मामले में दो शिक्षकों से पूछताछ की है। वहीं नीट-यूजी मामले में गिरफ्तार छह आरोपियों की आज बिहार के पटना स्थित एलएनजेपी अस्पताल में मेडिकल जांच की गई। बिहार पुलिस ने आरोपियों को 21 जून को झारखंड के देवघर से गिरफ्तार किया था। बता दें कि नांदेड़ आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने महाराष्ट्र से संजय तुकाराम जाधव और जलील उमरखान पठान को नीट पेपर लीक मामले में संदेह के रूप में हिरासत में लिया था। बता दें कि दोनों जिला परिषद स्कूलों में पढ़ाते थे और लातूर में एक प्राइवेट कोचिंग सेंटर भी चलाते थे। सूत्रों ने बताया कि कई घंटों की पूछताछ के बाद उन्हें रिहा कर दिया गया और जरूरत पड़ने पर उन्हें दोबारा बुलाया जाएगा। बता दें कि नीट और यूजीसी-नेट की दोहरी सार्वजनिक परीक्षाओं ने भारतीय शैक्षणिक और राजनीतिक जगत को हिलाकर रख दिया है। केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर अधिकारियों द्वारा पेपर लीक की जांच की जा रही है। वहीं शनिवार रात नीट पेपर लीक की जांच सीबीआई को सौंप दी गई। यह यूजीसी-नेट अनियमितताओं की भी जांच कर रही है, जिसमें पेपर लीक होना और डार्क नेट पर बेचा जाना शामिल है। बिहार पुलिस ने पहले 6 लोगों को गिरफ्तार किया था, जिन्होंने NEET UG परीक्षा से एक रात पहले प्रश्नपत्र लीक करने की बात कबूल की थी। पुलिस अब 'सॉल्वर गैंग' की भूमिका की जांच कर रही है, जो छात्रों को लीक हुए परीक्षा के पेपर बेचते हैं और उम्मीदवारों के लिए परीक्षा देने के लिए प्रॉक्सी उम्मीदवार उपलब्ध कराते हैं। 5 मई को करीब 24 लाख छात्रों ने NEET UG परीक्षा दी थी, लेकिन 4 जून को नतीजे घोषित होने के बाद पेपर लीक होने और 1500 से ज़्यादा छात्रों को ग्रेस मार्क्स दिए जाने के आरोप सामने आए। इसके बाद विरोध प्रदर्शन और अदालती मामले शुरू हो गए और आखिरकार सीबीआई जांच हुई।

जुगार माफियाओं का अड्डा बना कल्याण डोम्बिवली शहर ..

डोम्बिवली रेलवे स्टेशन के सामने एवं भाजी मार्किट में स्थानीय पुलिस स्टेशन की नाक के नीचे चल रहा जुगार ..

श्री. एस बी गुंजाळ
पोलीस उप आयुक्त (परिमंडळ-3)

डोम्बिवली पूर्व। ठाणे पुलिस और जुगार माफियाओं का आंख मिचौली का खेल कब खत्म होगा ऐसी चर्चा शहर के रहिवासियों में है। आपको बता दें कि ठाणे जिले में अवैध रूप से चलने वाले जुगार के धंधों की भरमार है। अखबारों में बार बार खबरें प्रकाशित होने के बाद भी पुलिस प्रशासन कर्तव्य विमूढ़ है। ऐसा लगता है कि जुगार जैसे अवैध धंधा करने वालों को संरक्षण दिया जा रहा है। इस अवैध धंधों के कारण कितने परिवार बर्बाद हो रहे हैं परंतु न ही सरकार को इसकी चिंता है और न ही पुलिस प्रशासन को.?

सामाजिक संगठनों द्वारा की गई शिकायत और द रेड स्टार न्यूज़ अखबार में न्यूज देने के बावजूद पुलिस के आला अधिकारी और सरकार के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है। गौरतलब हो कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा मटका, जुगार क्लब एवं झट-पट लाटरी पर प्रतिबन्ध होने के बावजूद डोम्बिवली शहर में जुगार का धंधा पुलिस की नाक के सामने बड़े पैमाने पर दिन रात चलाया जा रहा है। स्थानीय व्यापारी संगठन, पत्रकार एवं जागरूक प्रतिनिधियों द्वारा द रेड स्टार न्यूज़ कार्यालय में मिल रही शिकायत के अनुशार जुगार माफिया एवं उसकी टीम द्वारा बड़े पैमाने पर जुगार का धंधा डोंबीवली पुलिस स्टेशन (रामनगर) अंतर्गत डोम्बिवली पूर्व रेलवे स्टेशन के सामने साई पूजा के पास में मटका, चक्री, भवरा, लट्टू व अन्य जुगार बड़े पैमाने पर हिस्ट्रीशीटर एवं जुगार माफिया गणेश सेठ द्वारा जुगार बड़े पैमाने पर 20-25 राईटरो के माध्यम से चलाया जा रहा है। वही दूसरा जुगार क्लब फड़के रोड पर भाजी मार्केट रघुकुलदीप सोसायटी मे रात दिन रतन सेठ द्वारा चलाया जा रहा है। उक्त जुगार अड्डे में ग्राहकों को खास ख्याल रखते हुए मदिरा एवं जोरू की भी व्यवस्था की जाती है। स्थानीय पुलिस स्टेशन की भूमिका संदिग्ध होने के कारण कोई भी व्यापारी इन जुगार मफ़ियाओं से पंगा नहीं लेना चाहता। स्थानीय रहिवासियों एवं व्यापारियों ने न्यूज़ कार्यालय पर दूरसंचार के माध्यम से शिकायत करके कथित जुगार माफियाओं पर सख्त कार्यवाई के साथ साथ तड़ीपार करने की अपील की है। इस शिकायत पर द रेड स्टार न्यूज़ कार्यालय द्वारा ईमेल से स्थानीय डोंबीवली (रामनगर) पुलिस स्टेशन व पुलिस उपायुक्त परिमंडल -3 एवं पुलिस आयुक्त कार्यालय ठाणे में की गयी है। अब देखना है कि पुलिस जुगार के धंधे पर कब कार्यवाई करती है? या जुगार के माध्यम से लूटने वाले जुगार माफियाओं को संरक्षण प्रदान करती है.?

मुंबई पुलिस की समाजसेवा शाखा हुई नाकाम !

स्पा की आड़ में देह व्यापार?

खुलेआम चल रहा है स्मायन सलून एवं स्पा !

मा. आनंद भोईटे (पुलिस उपायुक्त परि.-11)

कांदिवली। मुंबई शहर मे अवैध रूप से चल रहे ब्यूटी पार्लर, स्पा, मटका, जुगार क्लब, डांस बार एवं नशीले ड्रग्स एवं अन्य व्यवसाय पर आखिर कब तक चुप्पी साधकर बैठे रहेंगे पुलिस आयुक्त? मुंबई पुलिस एवं अनैतिक देह व्यापार माफियाओ का आंख मिचौली का खेल कब खत्म होगा? ऐसी चर्चा मुंबई शहर के रहिवासियों में है! आपको बता दें कि कांदिवली पुलिस स्टेशन परिक्षेत्र में अवैध रूप से चलने वाले धंधों की भरमार है। अनेक अखबारों में बार बार खबरें प्रकाशित होने के बाद भी पुलिस प्रशासन कर्तव्य विमूढ़ है। ऐसा लगता है कि अपने देश में बेईमानी और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ना टेढ़ी खीर साबित हो रही है। सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की चाशनी में ऐसा नहाया हुआ है कि उसे हमाम के साबुन से कितना भी नहलाओ लेकिन वो निकलने वाला नहीं है। अब तो पुलिस प्रशासन भी भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबा हुआ है। वही स्पा की आड़ मे देह व्यापार के धंधे में पुलिस प्रशासन की हिस्सेदारी ये दर्शाता है कि कानून व्यवस्था का कितना मजाक उड़ाया जा रहा है। यही कारण है कि अनैतिक देह व्यापार जैसे अवैध धंधा करने वालों पर कोई भी कार्रवाई नहीं हो रही है। इस अवैध धंधों के कारण कितने परिवार बर्बाद हो रहे हैं परंतु न ही सरकार को इसकी चिंता है और न ही पुलिस प्रशासन को? स्थानीय व्यापारी संगठन, पत्रकार एवं जागरूक प्रतिनिधियों द्वारा द रेड स्टार न्यूज़ कार्यालय में मिल रही शिकायत के अनुसार कोरोना काल ख़त्म होने बाद पार्लर और मसाज सेंटर जहां फिर से धड़ाधड़ खुलने लगे हैं वहीं पुलिस विभाग की शिथिलता से गली-गली में स्पा पार्लर कुकुरमुत्तों की तरह खुल गए हैं जिसका संरक्षण करने का आरोप स्थानीय पुलिस पर लगता है। इसी तरह कांदिवली पुलिस स्टेशन के हद में एम जी रोड पर डहानूकरवाड़ी ब्रिज के पहले स्मायन सलून एवं स्पा चलाया जा रहा है। जहां चल सैलून एवं स्पा के आड़ मे देह व्यवसाय करने का आरोप स्थानिय लोग लगाते हैं। वही स्थानीय लोंगो का कहना है कि स्पा के अंदर पार्टीसन रूपी केबिन और केबिन के अंदर लॉक सिस्टम यह दर्शाता है कि कहीं न कहीं स्पा के अंदर गलत चल रहा है. वहीं आसपास के लोगों का कहना है कि स्पा संचालक चुंकि एक राजनितिक पार्टी से जुड़ा हुवा है इसलिए पुलिस कार्यवाई करने की बजाय उसका संरक्षण करती है। आस-पास के लोगों का कहना है कि इसका समाज पर गलत असर पड़ रहा है। बताया जाता है कि जब से कांदिवली पुलिस स्टेशन में नियुक्त वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक का आगमन हुआ है तब से इन्हें विशेष संरक्षण दिया जा रहा है, स्थानिय लोगों की शिकायतों को नजर-अंदाज कर स्पा और मसाज सेंटर को बढ़ावा दिया जा रहा है।

ठाणे शहर !

भिवंडी शहर में स्थानीय पुलिस की मदद से चलाया रहा जुगार क्लब?

बार बार शिकायतों के बावजूद कुंभारवाडा (भिवंडी सिटी पुलिस स्टेशन) एवं सम्बंधित पुलिस विभाग द्वारा नहीं होती होती है कार्यवाई?

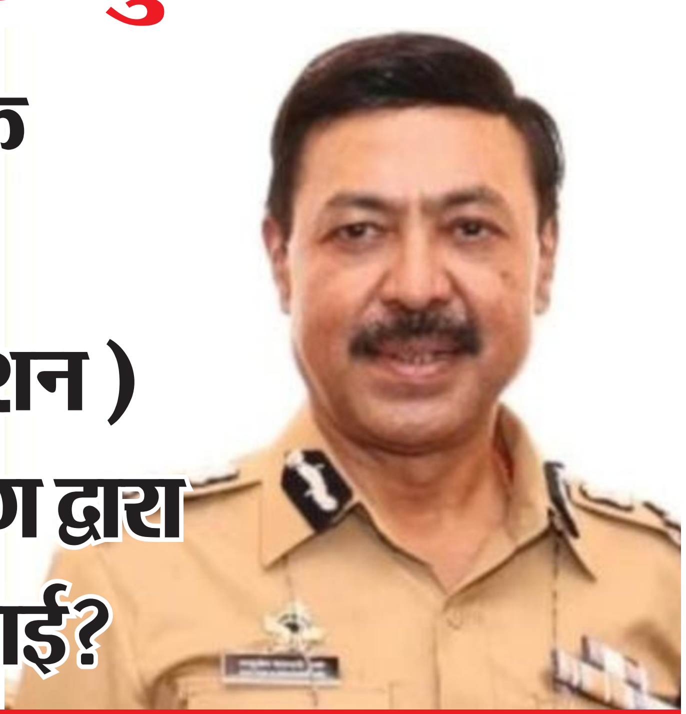

जनता पूछ रही है आखिर जुगार क्लब पर कब होगी कार्यवाई?

भिवंडी। ठाणे पुलिस आयुक्तालय के भिवंडी शहर में अवैध रूप से चल रहे जुगार के धंधों पर आखिर कब तक चुप्पी साधकर बैठे रहेंगे ठाणे पुलिस आयुक्त? ठाणे पुलिस और जुगार माफियाओं का आंख मिचौली का खेल कब खत्म होगा ऐसी चर्चा ठाणे के भिवंडी शहर के रहिवासियों में है। आपको बता दें कि ठाणे जिले में अवैध रूप से चलने वाले जुगार के धंधों की भरमार है। अखबारों में बार बार खबरें प्रकाशित होने के बाद भी पुलिस प्रशासन कर्तव्य विमूढ़ है। ऐसा लगता है कि अपने देश में बेईमानी और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ना टेढी खीर साबित हो रही है। सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की चाशनी में ऐसा नहाया हुआ है कि उसे हमाम के साबुन से कितना भी नहलाओ लेकिन वो निकलने वाला नहीं है। अब तो पुलिस प्रशासन भी भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबा हुआ है। मटके और जुगार के धंधे में पुलिस प्रशासन की हिस्सेदारी ये दर्शाता है कि कानून व्यवस्था का कितना मजाक उड़ाया जा रहा है। यही कारण है कि जुगार जैसे अवैध धंधा करने वालों पर कोई भी कार्रवाई नहीं हो रही है। इस अवैध धंधों के कारण कितने परिवार बर्बाद हो रहे हैं परंतु न ही सरकार को इसकी चिंता है और न ही पुलिस प्रशासन को? सामाजिक संगठनों द्वारा की गई शिकायत और द रेड स्टार न्यूज अखबार में न्यूज देने के बावजूद पुलिस के आला अधिकारी और सरकार के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है। गौरतलब हो कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा जुगार क्लब एवं झट-पट लाटरी पर प्रतिबन्ध होने के बावजूद ठाणे के भिवंडी शहर क्षेत्र में जुगार का धंधा पुलिस की नाक के सामने बड़े पैमाने पर दिन रात चलाया जा रहा है। स्थानीय व्यापारी संगठन, पत्रकार एवं जागरूक प्रतिनिधियों द्वारा द रेड स्टार न्यूज़ कार्यालय में मिल रही शिकायत के अनुशार जुगार माफिया एवं उसकी टीम द्वारा बड़े पैमाने पर जुगार का धंधा भोईवाड़ा पुलिस स्टेशन परिक्षेत्र में कनेरी तेलीपाड़ा आगरा रोड पर पारसिक बैंक के पास फिलिप एकेडमी बोर्ड की आड़ में डॉ. सेनापति हॉस्पिटल के सामने बंडू सेठ एवं सिकंदर बादशाह नामक जुगार माफिया द्वारा जुगार क्लब दिन-रात चलाया जा रहा है। उक्त जुगार क्लब में प्लास्टिक क्वाइन के माध्यम से आने वाले ग्राहकों के साथ हेराफेरी भी किया जाता है। स्थानीय पुलिस स्टेशन की भूमिका संदिग्ध होने के कारण कोई भी व्यापारी इन जुगार माफियाओं से पंगा नहीं लेना चाहता। स्थानीय रहिवासियों एवं व्यापारियों ने न्यूज कार्यालय पर दूरसंचार के माध्यम से शिकायत करके कथित जुगार माफियाओं पर सख्त कार्यवाई के साथ साथ तड़ीपार करने की अपील की है। इस शिकायत पर न्यूज कार्यालय द्वारा लिखित रूप से स्थानीय पुलिस स्टेशन व पुलिस उपायुक्त एवं पुलिस आयुक्त कार्यालय ठाणे में की गयी है। अब देखना है कि पुलिस जुगार के धंधे पर कब कार्यवाई करती है? या जुगार के माध्यम से लूटने वाले जुगार माफियाओं को संरक्षण प्रदान करती है?

छूने से फैलती है सफेद दाग की बीमारी !

विटिलिगो जिसे 'श्वेत कुष्ठ' या सफेद दाग के नाम से भी जाना जाता है। एक ऑटोइम्यून बीमारी है, जिसकी शुरुआत शरीर में खुजली से होती है और फिर धीरे-धीरे शरीर के अलग-अलग हिस्सों पर सफेद रंग के छोटे-बड़े चकत्ते बनने लगते हैं। हालांकि इसमें किसी तरह का दर्द या कोई दूसरी समस्या नहीं होती, लेकिन ये देखने में खराब लगते हैं। इस बीमारी को लेकर लोगों में कई तरह की गलतफहमियां हैं, जिसके चलते विटिलिगो के मरीजों से साथ दूसरे लोग अच्छा व्यवहार नहीं करते। इससे उनकी मानसिक स्थिति पर भी बुरा असर पड़ता है। हर साल 25 जून को वर्ल्ड विटिलिगो डे मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का मकसद लोगों को इस बीमारी के बारे में जागरूक करने के साथ ही इससे जुड़े मिथकों को भी दूर करना है।

मिथ- छूने से फैलते हैं सफेद दाग।

सच्चाई- एक्सपर्ट्स के अनुसार सफेद दाग कोई संक्रामक बीमारी नहीं है। मतलब यह छूने, स्लाइवा या पर्सनल चीजें शेयर करने से बिल्कुल भी नहीं फैलता।

मिथ- मछली खाने के बाद दूध पीने से होती है सफेद दाग की समस्या...

सच्चाई- सफेद दाग से जुड़ी ये गलतफहमी सबसे कॉमन है, जिस पर लोग आज भी आंख मूंद कर भरोसा करते हैं, जबकि ये सच नहीं है। यह एक ऑटोइम्यून डिसऑर्डर है, जिसमें खानपान का किसी भी तरह का रोल नहीं।

मिथ- सफेद दाग की इलाज संभव नहीं।

सच्चाई- ये सच नहीं है। ज्यादातर मामलों में समय से उपचार लेने पर यह समस्या पूरी तरह ठीक हो सकती है। विटिलिगो के इलाज के लिए दवाएं और तकनीक दोनों मौजूद हैं। हालांकि उपचार लंबे समय तक चल सकता है।

मिथ- खट्टी चीजें खाने से बढ़ती है सफेद दाग की समस्या।

सच्चाई- इस समस्या के बढ़ने का खानपान से कोई लेना-देना नहीं है। किसी खास तरह की चीज खाने से न ही यह बढ़ता है और न ही ठीक होता है।

मिथ- विटिलिगो मानसिक और शारीरिक रूप से कर देता है कमजोर।

सच्चाई- इस बात में किसी भी तरह की सच्चाई नहीं है। विटिलिगो की समस्या स्किन से जुड़ी हुई है। इससे शरीर को कोई भी दूसरा अंग प्रभावित नहीं होता है।

आंखों में मोतियाबिंद शुरू नहीं होने देंगे बेहद असरदार आयुर्वेदिक उपाय ...!

धीरे-धीरे अगर आपकी आंखों की रोशनी धुंधली पड़ रही है, तो यह कैटरेक्ट यानी मोतियाबिंद का संकेत हो सकता है। हमारी आंखों के लेन्स का काम साफ दृष्टि देना है, लेकिन मोतियाबिंद की स्थिति में आंखों के नेचुरल लेन्स में धुंधलापन आ जाता है। भारत में मोतियाबिंद, आंखों की रोशनी जाने की अहम वजह है। WHO और नेशनल प्रोग्राम फॉर कंट्रोल ऑफ ब्लाइंडनेस (एनपीसीबी) द्वारा किए गए एक सर्वे से पता चलता है कि देश में 2.2 करोड़ से ज्यादा लोग दृष्टिहीन हैं, इनमें से 80.1% मामलों की वजह मोतियाबिंद है। सालभर में लगभग 3.8 मिलियन लोग मोतियाबिंद के कारण अपनी आंखों की रोशनी खो बैठते हैं, लेकिन इससे डरने की जरूरत नहीं है क्योंकि मोतियाबिंद का इलाज आज के जमाने में संभव है।

मोतियाबिंद का इलाज कैसे होता है?

मोतियाबिंद का एकमात्र इलाज सर्जरी ही है। सर्जरी में डॉक्टर अपारदर्शी लेन्स को हटाकर मरीज की आंख में नया इंट्रा ऑक्युलर लेन्स लगा देते हैं। इसके अलावा मोतियाबिंद की रोकथाम के लिए आयुर्वेद की मदद ली जा सकती है। मोतियाबिंद के लिए आयुर्वेदिक उपायों के बारे में जानने के लिए हमने बात की डॉ. मंदीप सिंह बासु से जो डॉ. बासु आई हॉस्पिटल के डायरेक्टर हैं।

आखिर होता क्या है मोतियाबिंद?

मोतियाबिंद एक ऐसी स्थिति है, जिसमें आंख का प्राकृतिक लेन्स धुंधला होने लगता है। आमतौर पर यह समस्या उम्र के बढ़ने के साथ शुरू होती है, लेकिन कई बार यह आंख पर लगी चोट, सर्जरी, पारिवारिक इतिहास आदि के कारण भी हो जाती है। मोतियाबिंद का इलाज अगर वक्त रहते न किया जाए, तो धुंधलापन बढ़ता जाता है, जिससे रोशनी की किरणें लेन्स तक नहीं पहुंच पातीं और आंखों की रोशनी कमजोर होती चली जाती है।

मोतियाबिंद होने की क्या वजह होती है?

यह आंखों से जुड़ी एक आम समस्या है, जो उम्र बढ़ने के साथ शुरू होती है। हालांकि उम्र बढ़ने के अलावा भी इसके कई कारण हो सकते हैं जैसे-

मोतियाबिंद के लिए आयुर्वेदिक टिप्स

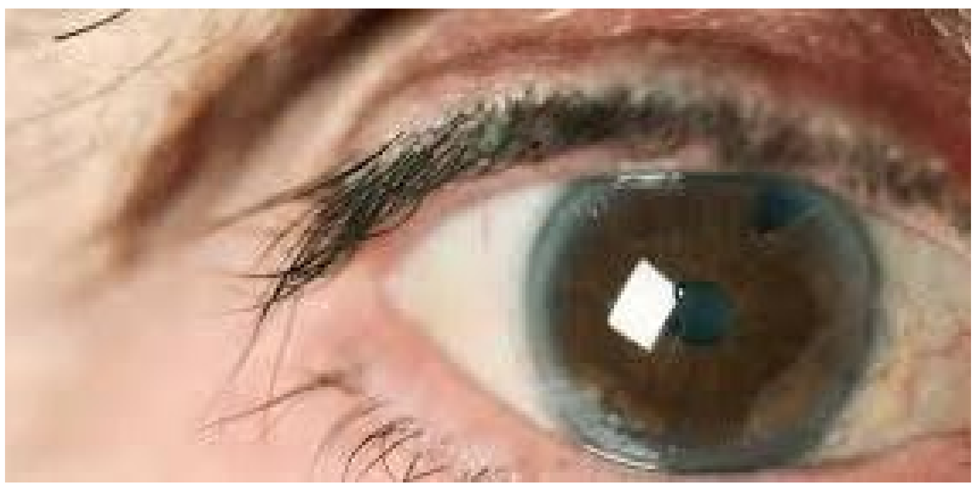

मोतियाबिंद के आयुर्वेदिक उपचार का प्राथमिक उद्देश्य बाधित शरीर की ऊर्जा को बहाल करना, ब्लड फ्लो को सामान्य करना और नेत्र संबंधी नसों और ऊतकों की लचीलापन को बढ़ाना होता है। डॉ. **बासु कुछ खास उपायों की सलाह देते हैं:**

1. तेज गर्मी और तेज ठंड से बचें

लंबे समय तक गर्मी के संपर्क में रहने से आंखों में सूखापन और जलन हो सकती है, तो वहीं बहुत ज्यादा ठंड से ब्लड वेसेल्स सिकुड़ सकते हैं, जिससे आंखों में रक्त का प्रवाह कम हो सकता है। आंखों को सुरक्षित रखने के लिए धूप वाला चश्मा पहनें, पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं और विटामिन-ए से भरपूर चीजों का सेवन करें।

2. स्मोकिंग से दूरी बनाएं

धूम्रपान मोतियाबिंद को और भी गंभीर बना सकता है। तंबाकू के धुएं में शामिल जहरीले केमिकल्स आंखों के लेन्स में मौजूद प्रोटीन को नुकसान पहुंचा सकते हैं, जिससे आंखों में धुंधलेपन की समस्या हो सकती है।

3. दवाओं का उपयोग

लंबे समय तक स्टेरॉयड्स का इस्तेमाल भी मोतियाबिंद होने का खतरा बढ़ा देता है। स्टेरॉयड्स आंख की लेन्स संरचना में परिवर्तन का कारण बन सकता है, जिससे मोतियाबिंद के विकास को बढ़ावा मिलता है। आयुर्वेदिक चिकित्सक और डॉक्टर की सलाह के बिना इस तरह की दवाओं का उपयोग न करने की सलाह देते हैं।

4. नियमित जांच है जरूरी

मोतियाबिंद का शीघ्र पता लगाने और प्रबंधन के लिए नियमित आंखों की जांच बहुत जरूरी है। इससे आंखों से जुड़ी किसी भी समस्या का समय रहते पता चल जाता है। जिससे समय पर इलाज शुरू कर इसे ठीक किया जा सकता है।

5. त्रिफला का उपयोग

त्रिफला, तीन फलों (आंवला, हरीतकी और बिभीतकी) से बना एक पारंपरिक आयुर्वेदिक फॉर्मूलेशन है, जो अपने अनगिनत लाभों के लिए जाना जाता है। आंखों को धोने के लिए त्रिफला के पानी का उपयोग करने से आंखों के स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद मिल सकती है। ऐसा माना जाता है कि इससे आंखों का इन्फेक्शन और दूसरी परेशानियां दूर रहती हैं और मोतियाबिंद का खतरा कम होता है।

6. तर्पण और अश्च्योतन कर्म

तर्पण और अश्च्योतन कर्म आयुर्वेदिक उपचार हैं, जो खासतौर से आंखों को स्वस्थ रखने का काम करते हैं। तर्पण में आंखों के चारों ओर औषधीय घी लगाना, पोषण प्रदान करना और दृष्टि में सुधार करना शामिल है। अश्च्योतन कर्म में आंखों को साफ करने और रोशनी बढ़ाने के लिए हर्बल आई ड्रॉप्स का इस्तेमाल शामिल है। आंखों के ऑप्टीमल हेल्थ को बनाए रखने के लिए इन उपचारों का पालन करने की सलाह दी जाती है।

ड्राई फ्रूट्स को खाने से मिलेंगे सेहत को ढेरों फायदे

शरीर को स्वस्थ्य बनाए रखने के लिए रोज एक मुट्ठी ड्राई फ्रूट्स का सेवन फायदेमंद होता है, क्योंकि पोषक तत्वों से भरपूर ड्राई फ्रूट्स शरीर को कई तरह की बीमारियों से बचाव रखने में सहायक होते हैं। ड्राई फ्रूट्स, एंटी ऑक्सीडेंट, प्रोटीन, विटामिन और फैट जैसे कई पोषक तत्वों का पावर हाउस होते हैं, जो शरीर को पर्याप्त पोषण देने के सा-साथ एनर्जी से भरा हुआ बनाए रखते हैं। ऐसे में पानी में भिगोकर ड्राई फ्रूट्स के सेवन को अच्छा माना जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि ड्राई फ्रूट्स को शहद में भिगोकर खाना उससे कहीं अधिक स्वास्थ्यवर्धक होता है। क्योंकि शहद का उपयोग आयुर्वेद में किया जाता है। ऐसे में अगर प्राकृतिक गुणवत्ता से भरपूर ड्राई फ्रूट्स को शहद में भिगोकर खाया जाता है, तो इसकी पौष्टिकता दोगुनी बढ़ जाती है। तो आइए जानते हैं ड्राई फ्रूट्स को शहद में भिगोकर खाने के फायदों के बारे में।

इम्युनिटी पॉवर बूस्ट करे- शहद में एंटीबैक्टिरियल और एंटी-फंगल गुण पाया जाता है, जो हमारे शरीर को किसी भी तरह के इन्फेक्शन से बचाता है। ऐसे में शहद में भिंगोकर ड्राई फ्रूट्स का सेवन शरीर के इम्युनिटी को बूस्ट करके इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है। इसके साथ ही भरपूर पोषण भी देता है।

कोलेस्ट्रॉल कम करे और हार्ट हेल्थ को बनाए रखे

ड्राई फ्रूट्स में मौजूद विटामिन और हेल्दी फैट शरीर में बढ़े हुए बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने में सहायक होते हैं। ऐसे में शहद में भिगोकर ड्राई फ्रूट्स का सेवन शरीर में गुड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाता है, जिससे हार्ट हेल्थ को स्वस्थ्य बनाए रखने में मदद मिलती है।

डायबिटीज से बचाए- रोजाना ड्राई फ्रूट्स का शहद में भिगोकर सेवन करने से डायबिटीज का खतरा टलता है। ये डायबिटीज से बचे रहने का अच्छा विकल्प है।

एनर्जी लेवल बढ़ाता है- शहद में मिलने वाले कार्बोहाइड्रेट और ड्राई फ्रूट्स में मिलने वाला प्रोटीन और हेल्दी फैट का संयोजन शरीर को लगातार एनर्जेटिक बनाए रखता है।

स्किन हेल्थ को बनाए रखे- शहद और नट्स में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट, ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करता है। इसके साथ ही कोशिकाओं को नुकसान से बचाता है और स्किन हेल्थ को बनाए रखता है।

पाचन स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है

शहद आंतो में हेल्दी बैक्टीरिया को बढ़ावा देता है और ड्राई फ्रूट्स में मौजूद फाइबर पाचन में सहायक होते हैं। इससे कब्ज से मुक्ति मिलती है।

घुटनों के दर्द से राहत दिलाने में मददगार हैं ये फूड्स

आमतौर पर 40 की उम्र के बाद से घुटनों और जोड़ों में दर्द होना एक आम समस्या है। लेकिन आज के समय में कम उम्र के लोगों में भी ये समस्या आम होने लगी है। इसका कारण है लंबे समय तक बैठकर काम करना। एक ही जगह घंटों बैठे रहने की वजह से घुटने जाम होने लगते हैं और इसके कारण घुटनों, हिप्स आदि में दर्द की समस्या शुरू होने लगती है, जिसे हम शुरुआत में नजरअंदाज कर देते हैं। इस वजह से घुटनों के दर्द की समस्या धीरे-धीरे और गंभीर होने लगती है। इसके साथ ही वजन का अधिक होना भी घुटनों में दर्द का कारण बन सकता है। इसलिए रेगुलर वर्क आउट पर जाना, एक्सरसाइज करना, वॉक करना और योग आदि जरूर करना चाहिए। इतना ही नहीं, इनके साथ अपनी डाइट में जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर फूड्स को जरूर शामिल करना चाहिए। जिससे घुटनों को अंदर से पोषण मिल सके और ये मजबूत बने रहें। तो आइए जानते हैं ऐसे ही कुछ फूड्स के बारे में।

फैटी फिश- ट्राउट, साल्मन, सार्डिन, छोटी समुद्री मछली, हिलसा, टूना, पिलचर्ड्स जैसी ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर मछलियों का सेवन हड्डियों और जोड़ों को मजबूती प्रदान करता है और सूजन को कम करता है।

अदरक- अदरक सूजन रोधी गुणों के लिए जाना जाता है। इसके सेवन से घुटनों के सूजन को कम करने में मदद मिलती है और जोड़ों को मजबूती मिलती है।

अखरोट- कई तरह के पोषक तत्वों से भरपूर अखरोट कोहनी और घुटनों के दर्द को कम करता है और हड्डियों को मजबूत बनाए रखने में मदद करता है।

केला- केले में भी सुजनरोधी गुण पाया जाता है, जो जोड़ों के दर्द को दूर करके इन्हें मजबूती प्रदान करता है।

बेरीज- एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर स्ट्रॉबेरी, ब्लू बेरी जैसे बेरीज ज्वाइंट्स के सूजन को कम करके गठिया को रोकने में मदद करते हैं।

जैतून का तेल- हेल्दी फैट और सूजन रोधी गुणों से भरपूर जैतून का तेल ज्वाइंट्स पेन में राहत पहुंचाता है और हार्ट हेल्थ को बनाए रखता है।

गाजर- विटामिन ए और विटामिन बी से भरपूर गाजर जोड़ों को मजबूती प्रदान करता है,और इनमें होने वाले दर्द में राहत पहुंचाते है।

दूध और दही- जहां दही प्रोबायोटिक गुणों से भरपूर होती है, वहीं दूध मूल रूप से कैल्शियम और फैट में घुलनशील विटामिन से भरपूर होता है। यह हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद होता। इसलिए इसका रोज सेवन जोड़ों को मजबूती प्रदान करता है।

दूध वाली चाय को ज्यादा उबालना हो सकता है नुकसानदेह

चाय ऐसी ड्रिंक है, जिसके दीवाने आपको अपने आस-पास खूब देखने को मिल जाएंगे। कई लोगों को तो चाय इतनी पसंद होती है कि वे अपनी दिन की शुरुआत भी चाय के साथ ही करते हैं। ऐसे में लोग अपने अपने स्वाद और स्वास्थ्य के अनुसार ग्रीन टी, ब्लैक टी, लेमन टी और मिल्क टी को पीना पसंद करते हैं। इनमें दूध की चाय को तो सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। ऐसे में कुछ लोग तो ऐसे भी हैं, जिन्हें सिर्फ दूध में अधिक चाय पत्ती डालकर देर तक उबालकर तैयार की हुई चाय ही पसंद आती है।

देर तक चाय को उबालने से आपकी चाय आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकती है। जी हां, यह सच है। देर तक उबली हुई चाय सेहत पर बुरा प्रभाव डाल सकती है। आइए जानते हैं दूध वाली चाय को कितने समय उबालना सही है और ज्यादा उबालने से इसके स्वास्थ्य पर पड़ने वाले हानिकारक प्रभाव के बारे में।

अपनी चाय को स्वाद और सेहत से युक्त रखने के लिए 4- 5 मिनट तक ही उबालना चाहिए।

चाय को अधिक समय तक उबालने के हानिकारक प्रभाव

शरीर में आयरन और कैल्शियम की कमी

दूध वाली चाय को अधिक समय तक उबालने से इसमें टैनिन की मात्रा बढ़ जाती है, जो पोषक तत्वों के अवशोषण को बाधित करती है। इसके साथ ही अत्यधिक टैनिन वाली से शरीर में आयरन की कमी हो जाती है, जिससे एनीमिया होना का डर रहता है।

चाय की एसिडिटी बढ़ जाती है

दूध वाली चाय को अधिक उबालने से इसका पीएच बदल जाता है, जिससे चाय ज्यादा एसीडिक हो जाती है।

कैंसर का खतरा

दूध वाली चाय को अधिक उबालने से कैंसरकारी पदार्थ एक्रीलामाइड पैदा हो जाता है, जो सेहत के लिए हानिकारक है।

पाचन संबंधी समस्याएं

अधिक उबली हुई दूध वाली चाय को पीने से एसिडिटी, पेट में दर्द और कब्ज जैसी समस्याएं पैदा हो सकती है।

ब्लड प्रेशर बढ़ाता है

पहले से उबालकर रखी हुई चाय को और उबालने से इसमें टैनिन की मात्रा बढ़ जाती है, जो ब्लड प्रेशर को बढ़ाने का काम करती है।

बदला हुआ स्वाद

दूध वाली चाय को अधिक उबालने से इसका स्वाद बदल जाता है।

पोषक तत्वों की हानि

दूध वाली चाय को अधिक उबालने से दूध में मौजूद प्रोटीन, विटामिन डी और कैल्शियम जैसे कई पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं।

गार्डनिंग करने से सेहत को भी मिलते हैं कई फायदे, तनाव से भी मिलती है मुक्ति

गार्डनिंग एक ऐसी एक्टिविटी है, जो आज भले ही हॉबी की तरह देखी जाती है, लेकिन एक जमाने में जीवनयापन के लिए यह एक जरूरी कला मानी जाती थी। पहले लोग अपने घरों में खुद ही सब्जियां, फल आदि उगाते थे और उन्हीं से अपना और अपने परिवार का पेट भरते थे। इससे उन्हें न केवल ऑर्गेनिक फूड मिलते थे, बल्कि उनके स्वास्थ्य को भी कई लाभ मिलते थे। इसलिए आपको जब भी मौका मिले, आपको इस एक्टिविटी को जरूर करना चाहिए। इससे आपको कई ऐसे हैरान करने वाले फायदे मिल सकते हैं, जिनके बारे में शायद आपको जानकारी न हो।

हमारे रोजमर्रा के जीवन में तनाव हमारा कॉन्सटेंट साथी बन चुका है। ऑफिस से लेकर घर की चिंताओं के कारण हम अक्सर ही तनाव से घिरे रहते हैं, जो हमारी मेंटल और फिजिकल, दोनों ही सेहत के लिए काफी नुकसानदेह होता है। ऐसे में गार्डनिंग की मदद से तनाव को कम करने में मदद मिल सकती है। पौधों को पानी देना, खरपतवार हटाना या सिर्फ अपने गार्डन में थोड़ी देर बैठकर पौधों को देखने से भी आपका तनाव कम होगा। इससे आपका मूड अच्छा होता है और हैप्पी हार्मोन्स रिलीज होते हैं, जिनके कारण स्ट्रेस कम होता है। इससे आपकी दिमागी सेहत को भी बढ़ावा मिलता है और आपका फोकस बढ़ता है। गार्डनिंग करने से आपके शरीर की एक्सरसाइज होती है। घास उखाड़ना, अलग-अलग औजारों से खुदाई करना, पानी देना, बार-बार उठने और बैठने से आपकी मांसपेशियों और हड्डियों की एक्सरसाइज होती है, जिससे वे मजबूत बनते हैं। इससे जोड़ों में दर्द की समस्या कम होती है और हड्डियों को मजबूती भी मिलती है। गार्डनिंग करने के लिए आपको कुछ समय धूप में भी बिताना पड़ता है, जिससे विटामिन डी मिलता है। वैसे भी हम अब धूप में न के बराबर ही निकलना पसंद करते हैं, जिसके कारण विटामिन डी की कमी हो जाती है। इसकी वजह से आपकी सेहत को काफी नुकसान हो सकते हैं। इसलिए गार्डनिंग करने से इस समस्या से बचने में मदद मिलती है। हमारी लाइफस्टाइल ऐसी हो चुकी है

कि हम नेचर में काफी समय बिताते हैं। इसके कारण हमारी मेंटल पर सबसे अधिक दुष्प्रभाव पड़ता है। इसलिए गार्डनिंग करने से आपको पेड़-पौधों के साथ समय बिताने का मौका मिलता है और आपको प्रकृति के समीप रहने से फायदा मिलता है। इससे एंग्जायटी और स्ट्रेस कम होते हैं।

Dr.B.M.PAL
B.H.M.S., MD (AM)
PG-DCC, (GERMANY)
PHYSICIAN & CLINIC COSMETOLOGIST

SHREE SAI CLINIC

Timing: Morn. 09:30 am to 01:30 pm
Eve. 5.30 pa to 10.30

Shop No.004, Vaibhav Darshan, Near ST.THOMOS CHURCH,
Sai Baba Nagar, Mira Road (E), Mob.: 9324771128

मानवाधिकार फाउंडेशन

मा.अखिलेश उपाध्याय
(एडवोकेट हाईकोर्ट)

कानूनी सलाह एवं कानूनी
निपटारे के लिए संपर्क करें

09, विभाको बिल्डिंग, मामलेतदार वाडी,
मालाड (पश्चिम), मुंबई-400064.
मो. 9004102640-8693863320

TASK PROTECTION FORCE

सुरक्षा कंपनी में भर्ती के लिए
तत्काल संपर्क करे

सुरक्षा गार्ड, सुरक्षा सुपरवाईजर, ड्राइवर, बाउंसर, स्वीपर एवं
अन्य कार्य के लिए पासपोर्ट साइज के 07 फोटो, आधार कार्ड,
लिविंग सर्टिफिकेट, अनुभव सर्टिफिकेट, ड्राइविंग लाइसेंस के साथ संपर्क करे ..

Mob. 8850869519 / 9321445870

संपर्क कार्यालय : 09, विभाको बिल्डिंग, मामलेतदारवाड़ी मेन रोड नं. 01,
(लिबर्टी गार्डेन रोड), मालाड (पश्चिम), मुंबई-400064